संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 211
पृष्ठ 8
मंगलवार
21 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी में त्वचा रहेगी ग्लोइंग...

विचार- सराहनीय मछली प्रेम

खेल- बीसीसीआई बना रहा 30-35...

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ली जे म्युंग संग की बैठक, कहा-

हम नए आयाम स्थापित करेंगे

नयी दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने सोमवार को यहां द्विपक्षीय मुद्दों पर व्यापक वार्ता कर दोनों देशों के संबंधों को भविष्योन्मुखी साझेदारी में बदलने का संकल्प लिया और कहा कि भारत तथा दक्षिण कोरिया के बीच के ये संबंध प्रौद्योगिकी, व्यापार और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझा रणनीतिक हितों पर आधारित होंगे। बैठक के बाद संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आठ वर्ष बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की यह भारत यात्रा, अत्यंत महत्वपूर्ण है और दोनों देशों के बीच के गहरे तालमेल को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार अर्थव्यवस्था और कानून के शासन के प्रति सम्मान दोनों देशों की मूल पहचान का हिस्सा है और हिंद-प्रशांत क्षेत्र

को लेकर भी दोनों देशों का दृष्टिकोण समान है। भविष्य की रूपरेखा को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देश विश्वसनीय साझेदारी को भविष्योन्मुखी साझेदारी में बदलने को तैयार हैं। इन सबके आधार पर, पिछले एक दशक में हमारे संबंध अधिक गतिशील और व्यापक हुए हैं। उन्होंने कहा, चिप्स से जहाज निर्माण, प्रतिभा से प्रौद्योगिकी और मनोरंजन से ऊर्जा तक हम सभी क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसरों को साकार करेंगे। आज हम अगले दशक की सफलता की कहानियों की नींव रख रहे हैं। बैठक की प्रमुख उपलब्धियों का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें भारत-कोरिया डिजिटल सेतु की घोषणा महत्वपूर्ण है जिसका उद्देश्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमी कंडक्टर और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करना है। दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को उन्नत कर 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया जो पिछले वर्ष 25.7 अरब डॉलर था। आधिकारिक सूचना के अनुसार यह बैठक पीएम मोदी और ली के बीच तीसरी आमने-सामने की मुलाकात थी, जो द्विपक्षीय संबंधों में तेजी को दर्शाती है। इस दौरान जहाज निर्माण, उभरती प्रौद्योगिकियों और लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने जैसे क्षेत्रों में कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए।

वैश्विक चुनौतियों के संदर्भ में मोदी ने कहा कि यह साझेदारी व्यापक महत्व रखती है और दोनों देश मिलकर शांति और स्थिरता का संदेश देते हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया के अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने के निर्णय का स्वागत किया। इससे पहले 19 से 21 अप्रैल तक की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर भारत पहुंचे राष्ट्रपति ली का राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने उनका औपचारिक स्वागत किया।

पश्चिम बंगाल में सीएम योगी ने कहा

पश्चिम बंगाल में न गाय कटेगी, न हिंदू बंटेगा

कोलकाता,एजेंसी। टीएमसी वालों को जय श्रीराम नारे से चिढ़ है, दुर्गा पूजा नहीं करने देते, सरकार जुलूस पर प्रतिबंध लगाती है। ममता दीदी कहती हैं- खेला होबे। मैं कहता हूं- ए बार खेला बंद, उन्नयन शुरू। बंगाल में गाय कटने नहीं देंगे, हिंदू को बंटने नहीं देंगे। आमार सोनार बांग्ला, टीएमसी मुक्तो बांग्ला। ओंधोकार होटबे, सूरज उठबो, कोमल खिलबे। बलटानो दोरकार, चाही बीजेपी सोरकार। (यानी मेरा प्यारा स्वर्णिम बंगाल, टीएमसी मुक्त बंगाल। अंधकार हटेगा, सूरज उगेगा, कमल खिलेगा। बदलाव जरूरी है... बीजेपी की सरकार चाहिए।) मुख्यमंत्री ने सोमवार को पश्चिम मेदिनीपुर जिले की पिंगला विधानसभा क्षेत्र में रैली की। भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील करते हुए सीएम योगी ने ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। रैली में समर्थक बुलडोजर लेकर पहुंचे थे। उनके पहुंचने पर मंच से लेकर पूरे रैली ग्राउंड में बुलडोजर बाबा जिंदाबाद के नारे लगने लगे। सीएम योगी ने बंगाल की रैली में कहा- इस बार खेला बंद। टीएमसी के गुंडो का बीजेपी की डबल इंजन सरकार करेगी इलाज। सीएम योगी ने बंगाल की रैली में कहा- इस बार खेला बंद। टीएमसी के गुंडो का बीजेपी की डबल इंजन सरकार करेगी इलाज। माफिया पर लगाम नहीं लगा सकती। ये सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिग को रोक रही है। 15 सालों में बंगाल में गुंडागर्दी हो रहा है। 2017 के पहले यूपी में भी ऐसा ही था। लेकिन वहां डबल इंजन सरकार आने के बाद नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में है सब चंगा। अब वहां हाईवे, मेट्रो, रैपिड रेल बन रहे हैं। माफिया की पसली तोड़ने के लिए बुल्डोजर का इस्तेमाल होता है। पहले रामभक्तों पर लाठी गोली चलती थी, अब राम भक्तों का सत्कार होता है। बंगाल में

गाय कटने नहीं देंगे, हिंदू को बंटने नहीं देंगे। माफिया की पसलियां बुलडोजर से तोड़ी सीएम योगी ने कहा- यहां दुर्गा पूजा नहीं करने देते, सरकार जुलुस को प्रतिबंध करती है। शोभा यात्रा पर पथराव होता है। न बेटी सुरक्षित हैं न व्यापारी। यही हाल 2017 से पहले यूपी में थे। गुंडागर्दी थी। उद्योग धंधे चौपट थे। आज यूपी के अंदर कोई गुंड, माफिया नहीं। माफिया की पसली को तोड़ने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल यूपी में होता है। सड़क पर नमाज नहीं होती है। न दंगाई हैं, न गोकशी करने वाले हैं। यहां भी अत्याचार करने वाले टीएमसी के गुंडे का इलाज भाजपा सरकार हो सकती है। किसानों ने माटी में सोना उगाने का काम किया है। यहां की परम्परा ने देश की जनजातीय संस्कृति को नई ऊंचाई दी है। पश्चिमी मेदिनीपुर की इस धरती पर जनजातीय समूह को जय जोहार कहते हुए कहना चाहूंगा कि पहली बार हुआ है एक जनजातीय महिला को देश के सर्वोच्च पद पर बैठने का अवसर मिला। कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने देश पर 60 साल राज किया लेकिन जनजातीय समाज के लिए कुछ नहीं सोचा।

सीजेआई सूर्यकांत ने जताई चिंता,बोले-

पढ़े-लिखे भी बन रहे शिकार: डिजिटल अरेस्ट पर

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट से जुड़ी बढ़ती ठगी की घटनाओं पर एक बार फिर गंभीर चिंता जताई है। सोमवार को सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि यह बेहद चौंकाने वाली और चिंताजनक स्थिति है कि अच्छी शिक्षा प्राप्त लोग भी इस तरह के साइबर अपराध का शिकार हो रहे हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची भी शामिल थे, डिजिटल अरेस्ट पीड़ितों से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमानी ने अदालत को बताया कि इस मुद्दे पर लगातार बैठकें हो रही हैं और सरकार तेजी से आवश्यक कदम उठा रही है। उन्होंने मामले को 12 मई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने एक बुजुर्ग महिला का मामला साझा किया, जिन्हें वह आधिकारिक तौर पर जानते हैं। उन्होंने कहा कि

दुर्भाग्यपूर्ण रूप से महिला की पूरी रिटायरमेंट राशि साइबर ठगों ने हड़प ली। इस पर अदालत ने गहरी नाराजगी जताई। एक अधिवक्ता ने कहा कि जब सर्वोच्च न्यायालय इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है, तब भी लगातार ऐसे मामलों का सामने आना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस पर CJI ने कहा कि यह हैरान करने वाली बात है कि पढ़े-लिखे लोग भी इस तरह आसानी से ठगे जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 9 फरवरी को डिजिटल फ्रॉड के जरिए 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की ठगी को सीधी लूट और डकैती करार दिया था। अदालत ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकों, दूरसंचार विभाग और अन्य संबंधित संस्थाओं के साथ मिलकर मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जाए। अदालत ने यह भी कहा था कि बैंकों को साइबर ठगी रोकने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जरूरत पड़ने पर संदिग्ध खातों पर अस्थायी रोक लगाई जाए ताकि पैसे की निकासी रोकी जा सके। शीर्ष अदालत ने सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट से जुड़े मामलों की पहचान कर देशव्यापी जांच करने को कहा था। साथ ही गुजरात और दिल्ली सरकारों को ऐसे मामलों में जांच की मंजूरी देने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने भारतीय रिजर्व बैंक, दूरसंचार विभाग और अन्य एजेंसियों से मिलकर पीड़ितों को मुआवजा देने के लिए एक स्पष्ट व्यवस्था तैयार करने को भी कहा था। अटॉर्नी जनरल ने अदालत को बताया कि आरबीआई ने बैंकों के लिए एक प्रारूप SoP तैयार कर लिया है, जिसमें संदिग्ध लेनदेन रोकने और खातों पर अस्थायी डेबिट होल्ड लगाने जैसे प्रावधान शामिल हैं। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 12 मई को तय की है। डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी का एक नया और खतरनाक तरीका है। इसमें अपराधी खुद को पुलिस अधिकारी, सीबीआई अधिकारी, अदालत कर्मचारी या किसी सरकारी एजेंसी का प्रतिनिधि बताकर लोगों को फोन या वीडियो कॉल करते हैं। वे पीड़ित को डराते हैं कि उसके खिलाफ गंभीर मामला दर्ज है, बैंक खाता सीज किया जाएगा या तुरंत गिरफ्तारी होगी। इसके बाद लोगों को घंटों फोन पर रोके रखा जाता है और डर के माहौल में उनसे पैसे ट्रांसफर करा लिए जाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट में एंट्री ही बैन कर देंगे-जज

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को राष्ट्र पुत्र घोषित किया जाए। इसके अलावा उनके बनाए संगठन आजाद हिंद फौज को भारत की स्वतंत्रता का क्रेडिट दिया जाए। ऐसी मांग के साथ सुप्रीम कोर्ट में आज एक याचिका दाखिल की गई, जिसे बेंच ने खारिज कर दिया। यही नहीं जनहित याचिका दाखिल करने वाले वकील को भी अदालत ने आड़े हाथों लिया है और कहा कि आप में सुधार नहीं आ सकता। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की अदालत ने कहा कि आप कोर्ट का समय खराब कर रहे हैं। याचिकाकर्ता पी. मोहंती से कहा कि आपने हमेशा ऐसा ही काम किया है। इस तरह की अर्जियां आपकी ओर से पहले भी दाखिल की गई हैं। बेंच ने कहा कि यदि आपके रवैये में सुधार नहीं आया तो फिर हम सुप्रीम कोर्ट में आपकी एंट्री पर ही बैन लगा देंगे। यही नहीं चीफ जस्टिस ने फटकार लगाते हुए कहा कि आप पहले भी इस तरह की मनमानी अर्जियां दाखिल करके रहे हैं।

राहुल गांधी आरएसएस को बताया तमिल विरोधी, कहा-

तमिलनाडु में नहीं चलने देंगे भाजपा का बिहार मॉडल

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु में चुनावी हलचल के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तमिलनाडु के थूथुकुडी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरएसएस और भाजपा पर तीखे हमले किए। राहुल गांधी ने आरोप लगाते हुए कहा, आरएसएस तमिल विरोधी और द्रविड़ विरोधी संगठन है। उन्होंने कहा कि आरएसएस और भाजपा का मानना है कि भारत एक लोग, एक संस्कृति, एक धर्म और एक भाषा वाला देश होना चाहिए।इसके साथ ही उन्होंने एआईएडीएमके की वर्तमान स्थिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुरानी एआईएडीएमके, जो तमिलनाडु के लोगों की सेवा करती थी, अब पूरी तरह खत्म हो चुकी है। राहुल के अनुसार, आज की एआईएडीएमके सिर्फ एक खोखला ढांचा बनकर रह गई है और भाजपा इस पार्टी का

इस्तेमाल तमिलनाडु की राजनीति में घुसने के लिए करना चाहती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एआईएडीएमके के नेता भ्रष्टाचार की वजह से कमजोर पड़ गए हैं। इसी कमजोरी का फायदा उठाकर भाजपा तमिलनाडु में अपनी जगह बनाना चाहती है। राहुल ने दावा किया कि जो लोग अभी एआईएडीएमके को चला रहे हैं, उन्हें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी तरह नियंत्रित करते हैं। रैली में राहुल गांधी ने बिहार की राजनीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटाकर भाजपा के आदमी को वहां बैठा दिया गया। राहुल ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के पुराने कामों की वजह से भाजपा उन्हें पूरी तरह काबू कर रही है। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार ने एक शब्द भी नहीं कहा और चुपचाप राज्यसभा चले गए।

राहुल ने आगे कहा , भाजपा तमिलनाडु में भी यही बिहार मॉडल दोहराना चाहती है।

शहर समता अखबार के सम्पादक उमेश श्रीवास्तव की बड़ी बहन शैल कुमारी श्रीवास्तव के निधन पर शोक सभा आयोजित

प्रयागराज। शहर समता अखबार के संपादक उमेश श्रीवास्तव की बड़ी बहन शैल कुमारी श्रीवास्तव के निधन पर शहर समता विचार मंच की तरफ से एक शोक सभा वरिष्ठ कवि डॉ प्रदीप चित्रांशी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। शोक सभा में रचना सक्सेना ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा शकि उमेश श्रीवास्तव की बड़ी बहन शैल कुमारी दीदी एक मिलनसार एवं हसमुख महिला थी जो काफी

दिनों से बीमार थी उनका जाना बहुत दुखद है भगवान उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में यह दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे एवं दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देश। डॉ प्रदीप चित्रांशी नें कहा कि शैल कुमारी श्रीवास्तव जी एक सरल एवं सहज तथा मिलनसार महिला थी ईश्वर उनको अपने चरणों में स्थान दे। संजय सक्सेना नें कहाँ कि बड़ी बहन के रूप में उनका स्नेह एवं आशीर्वाद मिलता रहा है उनके चले जाने से मन व्यथित है ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। उमेश श्रीवास्तव ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श यह एक बहुत दुखद समाचार है उनके चले जाने से मेरे सर पर से उनका स्नेह और आशीर्वाद की छत्रछाया हमेशा के लिए चली गयी। उनका जाना मेरे ह्रदय को व्यथित कर गया है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करे। इस अवसर पर राम कैलाश पाल प्रयागी, , डॉ वीरेंद्र तिवारी, कविता उपाध्याय, जया मोहन, मीरा सिन्हा, प्रेमा राय, राकेश मालवीय, केशव सक्सेना, शाम्भवी, डॉ सविता कुमारी श्रीवास्तव, मनमोहन सिंह, के पी गिरि, वेद व्यास, राजेश सिंह राज, डॉ नीलिमा मिश्रा, अनामित पाण्डेय, शंभूनाथ श्रीवास्तव, प्रियंका त्रिपाठी,, ललिता पाठक, अनवार अब्बास नकवी, देवयानी मुखर्जी, रेनू मिश्रा, डॉ रवि मिश्रा, अनिल खरे ने भी अपनी अपनी संवेदना व्यक्त की।

परिसीमन पर फैला रहे हैं भ्रम-चंद्रबाबू नायडू

नई दिल्ली,एजेंसी। चंद्रबाबू नायडू ने तमिलनाडु में अपने चुनाव प्रचार को और तेज करते हुए द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के गठबंधन पर सीधा हमला किया। उन्होंने डीएमके की विचारधारा में आए बदलाव पर सवाल उठाते हुए कहा कि पार्टी की स्थापना मूल रूप से कांग्रेस के विरोध में हुई थी, लेकिन अब यह उसी पार्टी के साथ मिलकर काम करती है।

विधानसभा चुनाव से पहले जनसभाओं को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि यह विरोधाभास राजनीतिक मूल्यों में निरंतरता की कमी को दर्शाता है। उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे समय के साथ गठबंधनों में आए बदलावों और शासन पर इसके प्रभाव पर ध्यान दें। नायडू ने महिला आरक्षण विधेयक का मुद्दा भी उठाया और संसद में इसका विरोध करने के लिए डीएमके और कांग्रेस की कड़ी आलोचना की।

खरगे की पीएम मोदी को सीधी चुनौती-

देश से झूठ बोलना बंद करें, अभी दें महिला आरक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। शुक्रवार को लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक की हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर कन्या भ्रूण हत्या का आरोप लगाया, जिसके बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए उन्हें हताश बताया। खरगे ने साफ तौर पर कहा कि इसे राजनीतिक लाभ के लिए महिलाओं के आरक्षण के उपाय के रूप में गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि यह महिलाओं का सशक्तिकरण नहीं है। खरगे ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में कुछ भी सार्थक न कर पाने वाले हताश और निराश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम अपने आधिकारिक संबोधन को कीचड़ उछालने और सरासर झूठ से भरे राजनीतिक भाषण में बदल

दिया। आचार संहिता पहले से ही लागू है और यह स्पष्ट था कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने विरोधियों पर हमला करने के लिए सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कैसे किया। यह लोकतंत्र और भारत के संविधान का घोर अपमान है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कांग्रेस का 59 बार जिक्र किया और महिलाओं का केवल कुछ ही बार। इससे देश को उनकी प्राथमिकताओं के बारे में सब कुछ पता चल जाता है। महिलाएं भाजपा की प्राथमिकता नहीं हैं। कांग्रेस है, क्योंकि कांग्रेस इतिहास के सही पक्ष में खड़ी है। कांग्रेस ने हमेशा महिला आरक्षण का समर्थन किया है। हम वह पार्टी थे जिसने 2010 में राज्यसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित कराया ताकि वह निरस्त न हो जाए। भाजपा उस विधेयक को लोकसभा में पारित नहीं करा सकी। उन्होंने 2023 में एक और विधेयक लाया और कांग्रेस पार्टी ने उसका भी समर्थन किया। खरगे ने कहा कि वह विधेयक अभी भी लागू है। दरअसल, इसे 16 अप्रैल को अधिसूचित किया गया था, जब लोकसभा परिसीमन संबंधी संवैधानिक संशोधन विधेयकों पर चर्चा कर रही थी। यह कार्य उसी प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था। भाजपा को अपना विधेयक अधिसूचित करने में तीन साल लग जाना, भारत की नारी शक्ति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है! उन्होंने कहा कि मोदी जी को देश से झूठ बोलना बंद करना चाहिए कृ उन्हें 2023 के कानून के तहत मौजूदा 543 लोकसभा सीटों में महिलाओं के लिए 33: आरक्षण लागू करना चाहिए। महिलाओं को उनका उचित प्रतिनिधित्व अभी न दें। उन्होंने कहा कि परिसीमन विधेयकों, यानी तीन संविधान संशोधन विधेयकों को महिला आरक्षण विधेयक के साथ न मिलाएं।

श्री हनुमंत कथा से पहले निकाली गई मंगल कलश यात्रा, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक चौबंद

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र हनुमंत कथा का शुभारंभ सोमवार को मुट्ठीगंज स्थित जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। प्रयाग उत्थान समिति की ओर से आयोजित पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र हनुमंत कथा का शुभारंभ सोमवार को मुट्ठीगंज स्थित जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से

मंगल कलश यात्रा के साथ हुआ। कलश यात्रा में हजारों महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर सिर पर मंगल कलश लेकर शामिल हुईं। जमुना क्रिश्चियन इंटर कॉलेज से शुरू होकर गऊघाट, मुट्ठीगंज, राम भवन और मानसरोवर चौराहा होते हुए श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी के प्रांगण में संपन्न हुई।यात्रा में मेरठ के बैंड, घुड़सवार और दिव्य झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। साथ ही चिकित्सा शिविर के साथ व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। बागेश्वर धाम सरकार आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की राष्ट्र श्री हनुमंत कथा से पहले सोमवार को मंगल कलश यात्रा निकाली गई। इसमें पांच हजार से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश और श्री फल लेकर पूरे शहर में भ्रमण किया। घुड़सवार, रथ, डीजे आदि के साथ हजारों लोग चल रहे थे। रथ पर सवार रामानंद सागर के रामायण सीरियल के राम (अरुण गोविल), सीता (दीपिका चिखलिया) और लक्ष्मण (सुनील लहरी) को देखने के लिए लोग आतुर दिखे। मंगल कलश यात्रा मुट्ठीगंज से निकलकर शहर के कई इलाकों से होते हुए रामबाग पथरचट्टी रामलीला मैदान पहुंची।

नारायण रेस्टोरेंट की तीन मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण, लाखों रुपए का सामान जलकर राख

प्रयागराज। पत्रिका चौराहा स्थित नारायण रेस्टोरेंट की तीन मंजिला बिल्डिंग में लगी भीषण, आग में कुर्सी, टेबल, फ्रीज, प्लास्टिक समेत लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। मौके पर दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर पाया काबू। कटरा के रहने वाले दिनेश चंद्र का है नारायण रेस्टोरेंट। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका।

बाबा साहब और संत रविदास की मूर्तियों को किया क्षतिग्रस्त, डाल दिया पेंट, लिखे अपशब्द

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र के नई झूंसी कोहना में स्थित अंबेडकर पार्क में स्थापित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत रविदास और महात्मा बुद्ध की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। झूंसी थाना क्षेत्र के नई झूंसी कोहना में स्थित अंबेडकर पार्क में स्थापित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, संत रविदास और महात्मा बुद्ध की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। मूर्तियों के ऊपर नीला पेंट डाल दिया गया है। पार्क की दीवारों पर अश्लील चित्र बनाए गए हैं और महापुरुषों के बारे में अपशब्द लिखे गए हैं। सुबह घटना की जानकारी होने पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पाकर पुलिस पहुंच गई। सीसीटीवी के माध्यम से अराजकतत्वों की पहचान की जा रही है। बसपा नेता दीपचंद्र ने अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। झूंसी कोहना स्थित आंबेडकर पार्क में भगवान बुद्ध, संत रविदास और बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की मूर्ति स्थापित है। पार्क के अंदर एक लाइब्रेरी एवं बैठक बनाया गया है। 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती पर पूरे पार्क की साफ सफाई के साथ ही मूर्तियों और दीवारों की रंगाई पुताई की गई थी। रविवार की रात कुछ अराजक तत्वों ने पार्क के अंदर घुसकर डॉ. आंबेडकर, संत रविदास की मूर्ति पर कालिख और नीला पेंच लगा दिया। दीवारों पर अश्लील चित्र एवं गालियां लिख दी गईं। पार्क की दीवारों पर गंदा चित्र भी बनाया गया। लाइब्रेरी हाल में रखी गई डॉ. आंबेडकर की मूर्ति क्षतिग्रस्त कर दी गई। वाटर कूलर तोड़ दिया। सीलिंग पंखा चोरी का ले गए।

पत्रिका चौराहा के पास तीन मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

प्रयागराज। प्रयागराज में रविवार की देर रात बड़ा हादसा हो गया। शार्ट सर्किट से पत्रिका चौराहे के पास स्थित नारायणा रेस्टूरेंट में आग लग गई। देखते ही देखते ऊंची लपटें उठने लगीं। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लाखों के फर्नीचर और अन्य सामान जलकर राख हो गए। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। पत्रिका चौराहा के पास रविवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब, नारायणा रेस्टोरेंट की तीन मंजिला इमारत में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि कुछ ही देर में पूरी बिल्डिंग धुएं और लपटों से घिर गई, जिससे आसपास अफरा–तफरी का माहौल बन गया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका है। कटरा के रहने वाले दिनेश चंद्र गुप्ता का पत्रिका चौराहा के पास स्थित एक इमारत में पहले और दूसरी मंजिल पर नारायणा नाम से रेस्टोरेंट है। जबकि भूतल पर वाइन शॉप है। रविवार रात करीब 2.05 बजे दो मंजिला इमारत से अचानक धुआं निकालने लगा। देखते ही देखते आग की लपटें बाहर आने लगी। रेस्टोरेंट के सामने स्थित कजारिया टाइल्स शोरूम के गार्ड ने इमारत को जलता देख शोर मचा दिया। आसपास के लोग एकत्र हो गए। मामले की सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना पर अग्निशमन अधिकारी राजेश कुमार तीन दमकल गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक आग में रेस्टोरेंट के अंदर रखी कुर्सियां, टेबल, फ्रिज, प्लास्टिक सामग्री समेत अन्य उपकरण जलकर पूरी तरह राख हो गए।

प्रयाग से चलेगी गोरखपुर वंदे भारत, हमसफर और कालिंदी के लिए जाना होगा सूबेदारगंज

प्रयागराज। गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रयाग स्टेशन से चलेगी। इसी तरह जंक्शन आने वाली 35 अन्य ट्रेनों का रूट बदला गया है। इसमें अधिकांश प्रयागराज छिवकी से संचालित होंगी। दरअसल प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास कार्य के तहत यहां यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य शुरू हो रहा है।

अगर आप आने वाले दिनों में प्रयागराज जंक्शन से रेल यात्रा की योजना बना रहे हैं तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। उत्तर मध्य रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक प्रयागराज जंक्शन पर यार्ड रिमॉडलिंग (फेस–एक) का काम शुरू हो गया है, जिसके चलते ट्रेनों के सामान्य संचालन में भारी उलटफेर किया गया है।

गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत 20 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रयाग स्टेशन से चलेगी। इसी तरह जंक्शन आने वाली 35 अन्य ट्रेनों का रूट बदला गया है। इसमें अधिकांश प्रयागराज छिवकी से संचालित होंगी। दरअसल प्रयागराज जंक्शन के पुनर्विकास कार्य के तहत यहां यार्ड रिमॉडलिंग का कार्य शुरू हो रहा है।

इस वजह से वाराणसी–पुणे, अहमदाबाद–दरभंगा, गोरखपुर–लोकमान्य तिलक टर्मिनस और रक्सौल–लोकमान्य तिलक जैसी ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन पर आने के बजाय प्रयागराज छिवकी के रास्ते अपने गंतव्य को रवाना होंगी। इतना ही नहीं, जंक्शन पर बोझ कम करने के लिए कई ट्रेनों को नजदीकी स्टेशनों पर ही टर्मिनेट करने का निर्णय लिया गया है।

प्रयागराज–नई दिल्ली और प्रयागराज–आनंद विहार टर्मिनल हमसफर एक्सप्रेस अब 24 से 30 अप्रैल के बीच जंक्शन के बजाय सूबेदारगंज स्टेशन से ही अपनी यात्रा शुरू करेगी और वहीं अपनी यात्रा समाप्त भी करेगी। वहीं, चोपन–प्रयागराज एक्सप्रेस 20 अप्रैल से 25 मई तक केवल प्रयागराज छिवकी स्टेशन तक ही आएगी।

मुजफ्फरपुर–प्रयागराज बापू धाम एक्सप्रेस को भी 27 और 29 अप्रैल को बनारस स्टेशन तक ही सीमित कर दिया गया है। कालिंदी एक्सप्रेस 29 अप्रैल को सूबेदारगंज तक चलेगी, जबकि सूबेदारगंज–पीडीयू मेमू 30 अप्रैल को छिवकी तक ही संचालित होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे घर से निकलने से पहले नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) या हेल्पलाइन नंबर के जरिये अपनी ट्रेन की वर्तमान स्थिति और रूट की जांच अवश्य कर लें।

सीमांचल, एनई एक्सप्रेस वाराणसी से लखनऊ होकर जाएंगी कानपुर

मेगा ब्लॉक के चलते प्रयागराज जंक्शन होकर जाने वाली 12487 जोगबनी–आनंद विहार 29 अप्रैल, 12488 आनंद विहार–जोगबनी 30 अप्रैल,12505 एनई एक्सप्रेस 29 अप्रैल, 12506 एनई एक्सप्रेस 30 अप्रैल, 12816 आनंद विहार–पुरी 30 अप्रैल , 12324 बाड़मेर–हावड़ा का संचालन 30 अप्रैल को पंडित दीन दयाल से वाराणसी, लखनऊ होते हुए कानपुर के लिए होगा। वहीं, 11071 कामायनी 29 अप्रैल एवं 11072 बलिया–एलटीटी कामायनी 30 अप्रैल को जंघई से लखनऊ होते हुए कानपुर, झांसी होते हुए भोपाल के लिए रवाना होगी।

प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलेंगी कई ट्रेनें

15560 अहमदाबाद–दरभंगा 24 अप्रैल, 15559 दरभंगा–अहमदाबाद 29 अप्रैल, 15018 गोरखपुर–लोकमान्य तिलक 25 से 30 अप्रैल, 15017 लोकमान्य तिलक–गोरखपुर 24 से 29 अप्रैल, 15267 रक्सौल–लोकमान्य तिलक 25 अप्रैल, 15268 लोकमान्य तिलक–रक्सौल 27 अप्रैल, 11033 पुणे–दरभंगा 29 अप्रैल, 11034 दरभंगा–पुणे 24 अप्रैल, 01025 दादर–बलिया 24 से 29 अप्रैल, 01027 दादर–गोरखपुर, 01026 बलिया–दादर 25 से 30 अप्रैल, 01028 गोरखपुर–दादर 26 से 30 अप्रैल, 22131 पुणे–बनारस 29 अप्रैल, 22132 बनारस–पुणे 29 अप्रैल, 15159 छपरा–दुर्ग 30 अप्रैल, 15160 दुर्ग–छपरा 29 अप्रैल, 11060 छपरा–लोकमान्य तिलक 30 अप्रैल, 18609 रांची–लोकमान्य तिलक 29 अप्रैल, 18610 लोकमान्य तिलक–रांची 24 अप्रैल, 19421 अहमदाबाद–पटना 26 अप्रैल, 19422 पटना–अहमदाबाद 28 अप्रैल, 12381 हावड़ा–नई दिल्ली रामबाग के रास्ते 26, 28 व 30 अप्रैल, 12382 नई दिल्ली–हावड़ा रामबाग के रास्ते 24, 27 व 28 अप्रैल, 12307 हावड़ा–जोधपुर 29 अप्रैल, 22308 बीकानेर–हावड़ा 29 अप्रैल, 12987 सियालदह–अजमेर 29 अप्रैल, 09447 अहमदाबाद–पटना 29 अप्रैल को प्रयागराज जंक्शन के बजाय प्रयागराज छिवकी के रास्ते चलेंगी।

हीटवेव से बचाता है सौंफ और सत्तू का शरबत, बाजार की कोल्डड्रिंक्स पीने से बचें

प्रयागराज। गर्मी के दिनों में खुद को हाइड्रेट रखना, लू से बचना और सुस्ती को दूर भगाना जरूरी होता है। ऐसे में लोग अक्सर कोल्डड्रिंक्स और बाजार में मिलने वाले अन्य शीतल

पेय पदार्थों का सेवन करते हैं, जो कि शरीर के लिए काफी हानिकारक होता है।

गर्मी के दिनों में खुद को हाइड्रेट रखना, लू से बचना और सुस्ती को दूर भगाना जरूरी होता है। ऐसे में लोग अक्सर कोल्डड्रिंक्स और बाजार में मिलने वाले अन्य शीतल पेय पदार्थों का सेवन करते हैं, जो कि शरीर के लिए काफी हानिकारक होता है। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की क्लीनिकल डायटीशियन कौसेन हफीज ने बताया कि गर्मी के दिनों में घर में बना सौंफ, सत्तू व गोंद कतीरा का शरबत शरीर को लू से बचाने के साथ ताजगी व एनर्जी दिलाता है। इसके कोई साइड इफेक्ट भी नहीं हैं।

1– ऐसे बनाएं सौंफ का शरबत

100 ग्राम सौंफ, 30–40 ग्राम मिश्री, 10 ग्राम इलायची, पांच ग्राम काली मिर्च को मिक्सर ग्राइंडर में पीस लें और फिर छान लें। इसके बाद तीन महीने तक एयरटाइट कंटेनर में रख सकते हैं। वहीं, तैयार पाउडर के 2–3 छोटे चम्मच और काला नमक एक गिलास पानी में डालें और कुछ बर्फ के टुकड़े भी डाल सकते हैं। इसमें अधिक ताजगी और स्वाद बढ़ाने के लिए तुलसी के बीज भी डाल सकते हैं। ये हैं लाभ रू इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसे पीने से पेट की समस्या नहीं होती है। खासतौर से कब्ज व एसिडिटी के मरीजों को काफी लाभ मिलता है।

2– ऐसे बनाएं सत्तू का शरबत

30 ग्राम कच्चे भुने हुए चनों (छिलका हटा दें) का पाउडर बना लें। वहीं, पीने के लिए 2–3 छोटे चम्मच चने का पाउडर या सत्तू पाउडर एक गिलास ठंडे पानी में मिलाएं। इसके अलावा बारीक कटा हुआ प्याज, कुछ पुदीने के पत्ते, सफेद नमक और काला नमक डालें। कुछ बर्फ के टुकड़े भी डाल सकते हैं। ये हैं लाभ रू सत्तू (विशेषकर भुने चने का) प्रोटीन, फाइबर, आयरन और मैग्नीशियम से भरपूर एक पौष्टिक सुपरफूड है। यह गर्मियों में शरीर को ठंडक देने, डिहाइड्रेशन से बचाने, पाचन सुधारने, वजन घटाने और तत्काल ऊर्जा प्रदान करने में बहुत फायदेमंद है। इसे सुबह खाली पेट पीना सबसे अच्छा माना जाता है।

3– कैसे बनाएं गोंद कतीरा का शरबत

गोंद कतीरा का शरबत बनाने के लिए 1–2 छोटे चम्मच गोंद कतीरे को छह–आठ घंटे या रात भर के लिए एक कप पानी में भिगो दें। जब यह फूलकर जेली जैसा हो जाए तो एक गिलास में 2–3 चम्मच भीगा हुआ गोंद कतीरा, स्वाद अनुसार चीनी/शहद, नींबू का रस, काला नमक, पुदीना के पत्ते और ठंडा पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं। बर्फ के साथ सर्व करें। ये हैं लाभ रू गोंद कतीरा का शरबत गर्मियों में शरीर को ठंडक देने, पाचन में सुधार करने, कब्ज से राहत दिलाने और डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए एक बेहतरीन प्राकृतिक पेय है। यह इम्यूनिटी बढ़ाता है, त्वचा को हाइड्रेट करता है और लू–थकान से राहत दिलाता है। यह वजन प्रबंधन में भी सहायक है।

नौ साल में सबसे गर्म दिन, पारा /44.6 डिग्री, अगले सात दिन हीटवेव के आसार

प्रयागराज। अधिकतम तापमान की वजह से दो दिन सूबे में दूसरे नंबर पर रही संगमनगरी रविवार को 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ तपिश में टॉप कर गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सबसे गर्म दिन होने की वजह से तपिश ने यहां नौ साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। अधिकतम तापमान की वजह से दो दिन सूबे में दूसरे नंबर पर रही संगमनगरी रविवार को 44.6 डिग्री सेल्सियस के साथ तपिश में टॉप कर गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक सबसे गर्म दिन होने की वजह से तपिश ने यहां नौ साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले वर्ष 2017 में 20 अप्रैल को अधिकतम तापमान 45.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले सात दिन हीटवेव के आसार हैं। इस दौरान झुलसाने वाली गर्मी प्रभावी रहेगी। सूरज के तल्ख तेवर और हर दिन प्रचंड हो रही गर्मी की वजह से अधिकतर सड़कों पर शाम तक सन्नाटा पसरा रहा। 25 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ रात में भी तपिश प्रभावी रही। घर से बाहर निकले लोगों ने गर्मी से बचाव के तमाम उपाय किए लेकिन तेज धूप शरीर के खुले हिस्सों को झुलसाती रही। हीटवेव की वजह से लोगों का गला बार–बार सूखता रहा। दोपहिया वाहन सवार छांव की तलाश करते फिर संयत होने पर आगे बढ़ते। लाल बत्ती की वजह से चौराहों पर रुके लोगों का हाल खराब हो रहा था। गर्मी ऐसी थी कि कार में एसी चलाकर बैठे लोगों को भी दिक्कत हो रही थी। वहीं, शहर के चौक, कटरा, कोठापार्चा, सिविल लाइंस में अक्षय तृतीया के मौके पर सराफा की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ रात तक रही। दिन में तेज धूप और गर्मी के बाद भी लोग जेवरात खरीदने आते जाते रहे। बाजारों में दुकानों पर गमछा, टोपी, स्टोल आदि भी सजे रहे। जूस, शरबत, आम का पना ही नहीं, कोल्डड्रिंक की दुकानों और ठेलों पर गला तर करने वालों की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक रही। मौसम वैज्ञानिक इविवि के डॉ. शैलेंद्र राय के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक हीटवेव प्रभावी रहने और इस भीषण गर्मी राहत न मिलने के आसार हैं। उन्होंने बताया कि इस बार संकेत मिल रहे हैं कि मानसून कमजोर रह सकता है।

महंगे विदेशी टूल्स व व्यापारियों के बीच की दूरी खत्म कर रहा मॉर्फ एआई एरा

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) में आयोजित संकल्प–2026 में तकनीकी नवाचारों की मजबूत मौजूदगी देखने को मिली। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) में आयोजित संकल्प–2026 में तकनीकी नवाचारों की मजबूत मौजूदगी देखने को मिली। मॉर्फ एआई एरा ने अपने उन्नत डाटा विश्लेषण मॉडल के जरिये विशेष पहचान बनाई। इस स्टार्टअप के संस्थापक प्रज्ज्वल मिश्रा ने प्लेटफॉर्म को विकसित किया है। उनका लक्ष्य महंगे विदेशी टूल्स और भारतीय व्यापारियों के बीच की दूरी को समाप्त करना है। इससे हर व्यवसायी डाटा के आधार पर निर्णय ले सके। मॉर्फ एआई एरा एक एआई टूल है जो किसी भी व्यावसायिक डाटा फाइल जैसे बिक्री, मानव संसाधन, भंडार, वित्तीय रिपोर्ट को अपलोड करने के 10 सेकंड में डाटा लाइव बोर्ड तैयार कर देता है।

सिविल लाइंस में पुलिस चौकी के सामने स्टंट, चौराहे पर घुमाई थार

प्रयागराज। सिविल लाइंस में रविवार सुबह थार चालक ने खुलेआम ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हुए स्टंटबाजी की। पूरी घटना पुलिस चौकी के ठीक सामने हुई। स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सिविल लाइंस में रविवार सुबह थार चालक ने खुलेआम ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते हुए स्टंटबाजी की। पूरी घटना पुलिस चौकी के ठीक सामने हुई। स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि, अखबार इसकी पुष्टि नहीं करता है। कथित 22 सेकंड के वीडियो में काले रंग की थार अचानक चौराहे पर पहुंचती है। इसके बाद चालक तेज रफ्तार में वाहन को गोल–गोल करीब चार राउंड तक घुमाता है। घटना से आसपास मौजूद लोग सहम गए। इससे कुछ समय के लिए अफरा–तफरी जैसी स्थिति बन गई। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुट गई है। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि फुटेज के आधार पर चालक की पहचान की जा रही है।

अक्षय तृतीया पर संगमनगरी में बरसी लक्ष्मी, बाजार हुआ निहाल

प्रयागराज। संगमनगरी में अक्षय तृतीया का पर्व व्यापार जगत के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। रविवार को शुभ मुहूर्त में खरीदारी के लिए बाजारों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे।

संगमनगरी में अक्षय तृतीया का पर्व व्यापार जगत के लिए खुशियों की सौगात लेकर आया। रविवार को शुभ मुहूर्त में खरीदारी के लिए बाजारों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। सुबह से ही सराफा बाजार, ऑटोमोबाइल शोरूम और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानों पर लोगों की चहलकदमी शुरू हो गई। दिन में तेज धूप से आवाजाही पर असर तो पड़ा, लेकिन शाम होते–होते ग्राहकों की भारी भीड़ जुटी रही। कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र गोयल के अनुसार जिले में लगभग 500 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड कारोबार का अनुमान है।

सराफा बाजार में इस बार सोने की चमक देखते ही बन रही थी। शहर के नामी ज्वेलरी शोरूम में काफी रौनक रही। राजपूत ज्वेलर्स, राणा ज्वेलर्स, आधुनिक ज्वेलर्स, इंद्रिया, राजवंश ज्वेलर्स, चड्ढा ज्वेलर्स, फियोना डायमंड, भगतराम जयनारायण, सुनहरी गोल्ड एंड डायमंड, तनिष्क, काशी आर्नामेंट्स, मनमोहन ज्वेल्स आदि शोरूम में तमाम लोगों ने शादी–ब्याह के आगामी सीजन यानी सहालग को देखते हुए अपनी बेटियों और बहुओं के लिए गहनों की खरीदारी की। बाजार में इस बार भारी गहनों के बजाय हल्के वजन वाली डिजाइनर ज्वेलरी की धूम रही। इसके साथ ही शगुन के तौर पर सोने और चांदी के सिक्कों की भी जबरदस्त डिमांड देखी गई। प्रयागराज सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश सिंह ने कहा कि इस बार बाजार अच्छा गया।

वहीं, ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए भी यह अक्षय तृतीया बेहद लकी साबित हुई। सड़कों पर नए वाहनों की कतार नजर आई। एक अनुमान के मुताबिक, शहर में लगभग 1200 दोपहिया वाहन और 150 से अधिक चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। सरस्वती मोटर्स, कान्हा मोटर्स, जीएस ड्रीम होंडा, डी हुंडई, यूनाइटेड ऑटोमोबाइल्स, सरस्वती नेक्सा आदि शोरूम में दिन भर रौनक रही। बड़ी संख्या में वह लोग भी पहुंचे, जिन्होंने एडवांस बुकिंग करा ली थी। सरस्वती मोटर्स के अंकित राज ने बताया कि पर्व पर बाजार पूरी रफ्तार से दौड़ा। रेनॉल्ट और किआ के जीएम पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि पर्व पर शोरूम से 16 कारों की डिलीवरी हुई। अक्षय तृतीया पर इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के लिए सुपर संडे रहा। भीषण गर्मी के बीच कूलिंग प्रोडक्ट्स जैसे एसी, फ्रिज और एयर कूलर की बिक्री अच्छी हुई। एआई वाले डबल डोर फ्रिज को भी खासा पसंद किया गया। वहीं, युवाओं के बीच मोबाइल फोन, ईयरफोन और बड्स का क्रेज सिर चढ़कर बोला। कारोबारी अखिलेश सिंह का कहना है कि अक्षय तृतीया पर इस बार न केवल निवेश के लिहाज से बल्कि जरूरत और लग्जरी के सामान की भी खूब खरीदारी हुई। कारोबारी केके श्रीवास्तव के अनुसार इंडेक्शन चूल्हा भी कई लोगों ने खरीदा।

हाईकोर्ट ने हाईटेंशन लाइन से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने का दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईटेंशन बिजली लाइन से प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन के अनुसार भुगतान करने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हाईटेंशन बिजली लाइन से प्रभावित किसानों को केंद्र सरकार की नई गाइडलाइन के अनुसार भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने शामली जिले के चार किसानों की याचिका पर दिया है। याची भुल्लन सिंह और तीन अन्य की जमीन पर 220 केवी की हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन और टावर लगा दिए गए थे।

सिविल डिफेंस की 'प्रतिभा की खोज' प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह भव्य रूप में संपन्न'

मथुरा। स्थानीय होटल शुभारंभ इन में सिविल डिफेंस मथुरा की वार्डन पोस्ट संख्यादृ01 के पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर अशोक यादव द्वारा आयोजित 'प्रतिभा की खोज' नागरिक सुरक्षा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह अत्यंत गरिमामयी वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। यह कार्यक्रम अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) नंद प्रकाश मौर्य के निर्देशन एवं सहायक उपनियंत्रक नीरज श्रीवास्तव ,चीफ वार्डन राजीव अग्रवाल, डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल तथा डिवीजनल वार्डन भारत भूषण तिवारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी चीफ वार्डन कल्याण दास अग्रवाल एवं डिप्टी

डिवीजनल वार्डन राजेश कुमार मित्तल उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में सीनियर स्टाफ ऑफिसर दीपक चतुर्वेदी बैंकर, स्टाफ ऑफिसर दीपेश कुमार, रक्त मित्र फाउंडेशन के संस्थापक रविंद्र बंसल, समाजसेवी आशीष कुमार एवं ए सी एम बी स्कूल के वाइस प्रिंसिपल जितेंद्र कुमार ने विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र, शील्ड, मेडल और नकद पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम की सफलता में वार्डन पोस्ट संख्या एक के पोस्ट वार्डन एवं मास्टर ट्रेनर ई. अशोक यादव और डिप्टी पोस्ट वार्डन विकास सोनी के नेतृत्व में समस्त वार्डनों एवं फायरफाइटरों का विशेष सहयोग रहा। अंत में ई. अशोक यादव ने सभी नवागंतुक अतिथियों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से ई. अशोक यादव , गिरीश वार्ष्णेय, प्रमोद शर्मा कौशल किशोर, हेमन्त, राजेश कुमार शिवहरे, श्याम सिंह, पवन, विकास सोनी, विनोद, कन्हैया सैनी, शुभम सिंह, अनुज, पंकज धनगर, करिश्मा, गुलशेर, देवेन्द्र कुमार, हरी नारायण अग्रवाल, आकाश, सोनू शिवहरे, लाभांश, पंकज कुमार, ओम प्रकाश, रामसती, विनोद कुमार, जितेन्द्र कुमार, सुमित कुमार, दर्शन सिंह निषाद, विशाल कश्यप एवं विशाल उपस्थित रहे।

फार्मर रजिस्ट्री बिना भी सरकारी क्रय केंद्र पर गेहूं बेच सकेंगे किसान

लखनऊ,संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गेहूं खरीद में किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने किसानों को असुविधा के दृष्टिगत घोषणा की कि फार्मर रजिस्ट्री के बिना भी किसान सरकारी क्रय केंद्रों पर गेहूं बेच सकेंगे। अब किसान पूर्व की भांति ही अपना गेहूं बेच सकेंगे। उन्होंने जिलाधिकारियों को तत्काल इस व्यवस्था को लागू करने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा कि क्रय केंद्रों पर गेहूं बिक्री के लिए आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बेतहाशा गर्मी को देखते हुए क्रय केंद्रों पर किसानों के लिए पानी, पंखा, छाजन समेत मूलभूत आवश्यकताओं की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। खाद्य व रसद विभाग के मुताबिक 20 अप्रैल दोपहर 11 बजे तक 42 हजार से अधिक किसानों से 2.38 लाख मीट्रिक टन से गेहूं खरीद की जा चुकी है। गेहूं बिक्री के लिए 4.77 लाख से अधिक किसानों ने पंजीकरण भी कर लिया है। अब तक प्रदेश में 5400 से अधिक क्रय केंद्र स्थापित कर लिए गए हैं।

यूपी विधान मंडल का विशेष सत्र 30 को

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का विशेष सत्र 30 अप्रैल को बुलाया गया है। यह विशेष सत्र महिला आरक्षण के मुद्दे को लेकर आयोजित किया जा रहा है। कैबिनेट ने बाई सर्कुलेशन के जरिए प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।सत्र में महिला आरक्षण के समर्थन में प्रस्ताव पारित किए जाने की संभावना है। विपक्ष के रवैये को लेकर निंदा प्रस्ताव भी पेश किया जा सकता है।सरकार इस मुद्दे पर विपक्षी दलों को घेरने की रणनीति पर काम कर रही है।महिला आरक्षण बिल को लेकर हाल में हुए सियासी घमासान के बाद योगी सरकार का यह बड़ा कदम माना जा रहा है।

हम मातृशक्ति के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध–पंकज

लखनऊ,संवाददाता। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा सरकार नारी नेतृत्व में विकास की पक्षधर है, जबकि विपक्ष आज भी संकीर्ण और पितृसत्तात्मक सोच में जकड़ा हुआ है।

हम मातृशक्ति के सम्मान, अधिकार और सशक्तिकरण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध हैं।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने आज आने गृह जनपद महराजगंज में मीडिया से खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि विपक्ष का दोहरा चरित्र बेनकाब हो चुका है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधि ानियम का विरोध कर विपक्ष ने फिर स्पष्ट कर दिया कि उनके लिए महिला सशक्तिकरण केवल राजनीतिक दिखावा है, जबकि भाजपा के लिए यह एक दृढ़ संकल्प और राष्ट्रीय मिशन है। आध ी आबादी इसे भूल नही सकती। आगामी चुनाव में इन्हें सबक सिखाने का काम करेगी।

हर घर रोशनी की सरकार की नीति को मिली अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता

लखनऊ,संवाददाता। नासा द्वारा जारी वर्ल्ड नाइट मैप में उत्तर प्रदेश का दुनिया के सबसे अधिक रोशन क्षेत्रों में प्रमुखता से उभरना प्रदेश की विद्युत व्यवस्था के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। यह केवल रोशनी काआंकलन नहीं प्रदेश में बिजली की पहुंच, विश्वसनीयता और व्यापकता का अंतर्राष्ट्रीय प्रमाण है। उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा उपलब्धता के मामले में नए युग में प्रवेश कर चुका है।इस वैश्विक मान्यता के पीछे प्रदेश सरकार की सतत प्रतिबद्धता और नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के नेतृत्व में किए गए व्यापक सुधारों की अहम भूमिका रही है। राज्य में पिछले कुछ वर्षों में विद्युत उत्पादन क्षमता में रिकॉर्ड वृद्धि की गई है, जिससे बढ़ती मांग को सफलतापूर्वक पूरा किया जा रहा है। दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्रोतों से बिजली की उपलब्धता को भी मजबूत किया गया है। घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना की तीसरी इकाई का सफल सिंक्रनाइजेशन इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है।

प्रयागराज के 28 शतरंज खिलाड़ी करेंगे प्रदेश स्तर पर जिले का प्रतिनिधित्व, सीतापुर में आजमाएंगे भाग्य

शहर पश्चिमी से भी निकले चैंपियन, सरस्वती शिशु मंदिर राजरूपपुर में हुई जिला चयन प्रतियोगिता

प्रयागराज। जिला शतरंज संघ प्रयागराज द्वारा रविवार को सरस्वती शिशु मंदिर, राजरूपपुर में आयोजित जिला शतरंज चयन प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में अंडर–7 से अंडर–19 आयु वर्ग के लगभग 100 बालक–बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिभा दिखाई। कड़े मुकाबलों के बाद 28 खिलाड़ियों का चयन आगामी उत्तर प्रदेश राज्य स्तरीय चेस प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

चयनित खिलाड़ी 22 अप्रैल से सीतापुर जिले के दिल्ली पब्लिक स्कूल में आयोजित उत्तर प्रदेश चेस प्रतियोगिता में प्रयागराज जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रमुख विजय उपाध्याय ने विजेताओं को शील्ड, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ष्अंडर–7 से 19 वर्ष तक के बच्चों ने अपनी प्रतिभा से प्रयागराज का नाम रोशन किया है। मुझे गर्व है कि जिले से 28 बच्चों का चयन प्रदेश स्तर के लिए हुआ है। कार्यक्रम में समाजसेवी अविचल द्विवेदी ने कहा कि अब शहर पश्चिमी क्षेत्र से भी खेल जगत में प्रयागराज गौरवान्वित हो रहा है। यह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व एवं खेलों को बढ़ावा देने की नीति का परिणाम है कि शहर

पश्चिमी भी नए आयाम स्थापित कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राम प्रकाश सिंह ने की एवं संचालन श्री एन. डी. सिंह ने किया। चयनित विजेताओं की सूची

'आयु 7 वर्षरू' बालिका – अनिका सिंह प्रथम, आर्य इमरान द्वितीय द्य बालक – सात्विक सिंह प्रथम, क्रीसॉन्ग शर्मा द्वितीय

– 'आयु 9 वर्षरू' बालिका – श्रीवाली प्रथम, आरोही अश्वनी राय द्वितीय द्य बालक – हर्षिर सिद्दीकी प्रथम, यशवीर रोतैल द्वितीय

– 'आयु 11 वर्षरू' बालिका – अनुप्रिया यादव प्रथम, संस्कृति यादव द्वितीय द्य बालक – परीक्षित यादव प्रथम, आर्यश शुक्ला द्वितीय

– 'आयु 15 वर्षरू' बालक – याकूब हुसैन प्रथम, जस आनंद, सात्विक आनंद, कार्तिकेय श्रीवास्तव

– 'आयु 17 वर्षरू' बालिका – अनुप्रिया यादव प्रथम, ओशिका द्वितीय द्य बालक – अमितयुश नंदन प्रथम, जय कांत तिवारी

– 'आयु 19 वर्षरू' बालिका – प्रिया यादव प्रथम, अनिषिका शर्मा द्वितीय द्य बालक – यादवेंद्र प्रथम, सर्वाज्ञ त्रिपाठी द्वितीय

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक श्रीराम द्विवेदी, समाजसेवी अविचल द्विवेदी, दिनेश तिवारी, गौरव गर्ग, एस. एस. यादव, हर्षित श्रीवास्तव, प्रिया यादव, रईसउद्दीन खान, श्वेता श्रीवास्तव आदि की उपस्थिति रही और सभी ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में योगदान दिया। सरस्वती शिशु मंदिर राजरूपपुर में हुई जिला शतरंज चयन प्रतियोगिता में 100 खिलाड़ियों ने भाग लिया। 28 होनहारों का चयन उप्र स्टेट चौंपियनशिप के लिए हुआ। 22 अप्रैल से सीतापुर में ये खिलाड़ी प्रयागराज का प्रतिनिधित्व करेंगे। मुख्य अतिथि विजय उपाध्याय जी ने विजेताओं को सम्मानित किया। अविचल द्विवेदी जी ने कहा – ष्शहर पश्चिमी से भी अब खेलों में प्रयागराज का नाम चमक रहा है, ये योगी सरकार की खेल नीति का असर है।ष्आयोजकरू जिला शतरंज संघ प्रयागराज ने सभी चयनित खिलाड़ियों को बधाई दिया !

आईआईएचपी चेन्नई और वेंकटेश्वर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज ने मनाया 271वां विश्व होम्योपैथी दिवस

चेन्नई। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथिक फिजिशियन (आईआईएचपी), तमिलनाडु–चेन्नई शाखा ने वेंकटेश्वर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, पोरूर के सहयोग से होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. क्रिश्चियन फ्रेडरिक सैमुअल हैनिमैन की 271वीं जयंती मनाई। स्मारक कार्यक्रम और उसके बाद निरूशुल्क चिकित्सा शिविर तिरुवन्मियूर के कक्कम करंगल वृद्धाश्रम में आयोजित किया गया।

संस्थापक का सम्मान

कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा डॉ. हैनिमैन के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। आईआईएचपी तमिलनाडु/चेन्नई के अध्यक्ष और आरआरआई गुडीवाड़ा के पूर्व सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. कोल्ली राजू ने समारोह की अध्यक्षता की।

प्रतिष्ठित वक्ताओं ने प्रणाली की स्थायी विरासत पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर तमिलनाडु होम्योपैथिक मेडिकल काउंसिल के अध्यक्ष और आईआईएचपी तमिलनाडु के महासचिव डॉ. एन.आर. जया कुमार ने मुख्य भाषण दिया।

श्री साईराम होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज में मटेरिया मेडिका के प्रोफेसर और एचओडी डॉ. जी. नागेंद्र बाबू ने डॉ. सैमुअल हैनीमैन के जीवन और इतिहास पर एक व्यावहारिक व्याख्यान दिया।

आईआईएचपी के राष्ट्रीय सलाहकार डॉ. एम. प्रकाश राव ने मुख्य अतिथि के रूप में सभा को संबोधित करते हुए होम्योपैथिक दवाओं के वैज्ञानिक तंत्र और पूरे भारत में इसकी बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बताया।

औपचारिक सत्र के बाद, विशेष रूप से घर के वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक निःशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। डॉक्टरों की एक समर्पित टीम ने विशेषज्ञ परामर्श और नैदानिक जांच प्रदान कीरू

वरिष्ठ क्लिनिकल टीम में डॉ. कोल्ली राजू, डॉ. परसा राधाम्मा, डॉ. एन.आर. जया कुमार, डॉ. जी. नागेंद्र बाबू, और डॉ. एम. प्रकाश राव शामिल थ।

वेंकटेश्वर मेडिकल कॉलेज टीम में डॉ. शिवसेरन, डॉ. शिव शंकरी, डॉ. निवेथा के, डॉ. प्रियदर्शिनी, डॉ. मोनिशा, और डॉ. राजा राजेश्वरी।

शिविर से 40 से अधिक निवासियों को निःशुल्क परामर्श और रक्त शर्करा जांच (पोस्ट–प्रांडियल और रैंडम) प्राप्त हुई। सभी प्रतिभागियों को आवश्यक होम्योपैथिक दवाएं निःशुल्क वितरित की गईं।

समग्र देखभाल के संकेत में, वासन आई केयर सेंटर (नीलांगराई) के थिरु अंबु इस पहल में शामिल हुए, उन्होंने मरीजों को मुफ्त ओपीडी परामर्श कूपन और 50 प्रतिशत छूट कार्ड वितरित किए। कार्यक्रम का समन्वय श्री वी. दीना दयालन के स्वयंसेवक सहयोग से, वेंकटेश्वर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. डी. ब्रिटो वेल्बर्ट धास द्वारा किया गया था।

कार्यक्रम का समापन कक्कम करांगल के प्रबंध ट्रस्टी थिरु डेविड प्रिंस मनोहरन के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने बुजुर्गों की निस्वार्थ सेवा के लिए चिकित्सा बिरादरी के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज के तीन साहित्यकारों का हुआ सारस्वत अभिनंदन

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने गढ़ा एक नया कीर्तिमान पुस्तकों का लोकार्पण और पत्रकारों साहित्यकारों का हुआ सम्मान

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ ने आज पुनः एक नया कीर्तिमान गढ़ते हुए महानगर के तीन वरिष्ठ साहित्यकारों का सारस्वत अभिनंदन किया और पुस्तक लोकार्पण तथा पत्रकारों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र के मुख्य आतिथ्य एवं सुप्रसिद्ध पाठ्य पुस्तक लेखक सर्वेश कांत वर्मा सरल की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस अभिनंदन समारोह में विशिष्ट अतिथि डॉ बालकृष्ण पांडेय राष्ट्रीय संरक्षक भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ और महोबा से आए वरिष्ठ साहित्यकार सुभाष चन्द्र चौरसिया हेमबाबू सहित हाईकोर्ट इलाहाबाद में वरिष्ठ अधिवक्ता अंजना सिंह एडवोकेट की गरिमामय

उपस्थिति ने मंच की शोभा बढ़ा दी। डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय राष्ट्रीय संयोजक और डॉ जया मोहन वरिष्ठ साहित्यकार तथा डॉ राम लखन चौरसिया वागीश वरिष्ठ साहित्यकार का सारस्वत अभिनंदन किया गया। महाराष्ट्र लोक सेवा मंडल अलोपी बाग प्रयागराज के भव्य सभागार में आयोजित समारोह का सफल संचालन डॉ योगेंद्र कुमार मिश्रा विश्वबंधु ने किया। मंचासीन अतिथियों द्वारा वाग्देवी मां सरस्वती को माल्यार्पण करके दीप प्रज्ज्वलित किया गया और अभ्यागतों का स्वागत राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पवनेश कुमार पवन ने किया । समस्त सम्माननीय मंचासीन अतिथियों को माल्यार्पण अंगवस्त्र सम्मान पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया तत्पश्चात सीबीएसई बोर्ड पर आधारित कक्षा नौ की व्याकरण पुस्तक किंशुक हिंदी व्याकरण में स्थान मिलने पर तीनों रचनाकारों को महासंघ द्वारा प्रतीक चिन्ह अंगवस्त्र और अभिनंदन पत्र सादर समर्पित किया गया। फूल मालाओं से लादकर भव्य अभिनंदन से तीनों रचनाकार अभिभूत एवं अपने उद्बोधन में भावुक हो गए। सभी सम्मानित पदाधिकारियों और मचासीन अतिथियों ने अपने सारगर्भित आशीष वक्तव्य में अभिनंदित रचनाकारों को शुभकामनाएं दी और समुन्नत लेखन की कामना करते हुए कहा कि भविष्य में और अधिक उपयोगी रचनाओं के माध्यम से समाज और छात्रों को लाभान्वित करें। चित्रकूट से आए वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सतीश बब्बा की सत्ताईसवीं पुस्तक बहू विना घर सूना कहानी संग्रह का लोकार्पण मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर रीवा से पधारे साहित्यकार अधिवक्ता रियाजउद्दीन खान ने भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की आजीवन सदस्यता ली। प्रधानाचार्य राधाकृष्ण मिश्र, शिव शंकर पाण्डेय, श्यामकृष्ण शुक्ल पिंटू जिला अध्यक्ष गंगापार , राजेंद्र पाण्डेय जिला अध्यक्ष यमुनापार पंकज गुप्ता जिला अध्यक्ष महानगर सहित विकास केलकर, प्रदीप सिंह, संगीता पटेल, मंजुला सिंह, केशव सक्सेना, हरीश वर्मा , कुंवर तौकीर अहमद खान, राम कुमार डॉ राम सुख यादव, डॉ रंजन पाण्डेय , पवनेश कुमार, ललित कुमार श्रीवास्तव , अभिषेक केसरवानी सहित अन्य सभी उपस्थित कवियों लेखकों साहित्यकारों पत्रकारों को सम्मान पत्र प्रदान किया गया। देश दर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रदीप सिंह ने आभार व्यक्त किया।

ताल–तलैया कुएँ

(छप्पय)

ताल–तलैया कुएँ खेत का जीवन बनके।
मिल, मिट्टी के साथ कहानी नूतन रचते।
मीठे जल का स्रोत बस्तियाँ कहती जिसको।
बुझा सभी की प्यास हँसाता है वह सबको।
आशाओं के दीप का ये सब एक चिराग हैं।
इनके बिन जो शेष है वे सब केवल आग हैं।

छः सौ ईसा पूर्व बताते हैं पैदाइश।
सच्ची है यह बात मगर है कुछ गुंजाइश।
बता रहा इतिहास कुएँ की कई कहानी।
मानव की है खोज बात है बहुत पुरानी।
खेतों को करके हरा बस्ती को उर्जित करे।
सदा प्राकृतिक ढंग से पानी को खुद को भरे।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

भयहरणनाथ धाम में सामाजिक सत्याग्रह रहा जारी

राजस्व विभाग की टीम ने शुरू की पैमाइस कार्यकर्ता व पुलिस बल ने किया सहयोग 26 अप्रेल को पुनः सत्याग्रह के बीच होगी विस्तृत पैमाइस'

प्रतापगढ। भयहरणनाथ धाम में 6वां सामाजिक सत्याग्रह देर शाम तक जारी रहा। वहीं उप जिलाधिकारी सदर के निर्देश पर गठित राजस्व विभाग की टीम द्वारा नायब तहसीलदार बालेंदु शेखर के नेतृत्व में धाम के भूमि की पैमाइस प्रारंभ की गई। राजस्व विभाग द्वारा पैमाइस शुरू करने के कारण सत्याग्रहियों ने बुद्धि शुद्धि यज्ञ स्थगित कर सत्याग्रह जारी रखा। वहीं आवश्यक

पुलिस बल के साथ चौकी प्रभारी व प्रबन्ध संस्थान के कार्यकर्ता व ग्रामीणों ने पैमाइस में सहयोग किया ।

यह जानकारी देते हुए महासचिव सामाजिक कार्यकर्ता समाज शेखर ने बताया कि भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के बैनर तले गत 15 मार्च से निरंतर धाम व धाम से जुड़ी सामलाती भू संपति को कब्जा मुक्त करके जनोपयोगी बनाने हेतु सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह हो रहा है । इसी कड़ी में रविवार को अध्यक्ष राज कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में आयोजित सामाजिक सत्याग्रह में बड़ी सख्या में स्थानीय कार्यकर्ता व ग्रामीणों ने भाग लिया। थानाध्यक्ष जेठवारा के निर्देशन में चौकी प्रभारी राजीव वर्मा के नेतृत्व में सुबह से देर शाम तक आवश्यक पुलिस बल की मौजूदगी में नाप हुई। जिसमे सभी पक्षों ने सहयोग किया, राजस्व टीम ने प्रथम चरण में धाम के कुल रकबे की प्रारंभिक नाप की।

उन्होंने बताया कि सर्व सम्मति से तय हुआ कि अगले रविवार 26 अप्रैल को सामाजिक सत्याग्रह यथावत जारी रहेगी, वही राजस्व विभाग ने भी इसी दिन बिस्तृत पैमाइस करने का निर्णय लिया है। वहीं सभी ने धाम में वर्षो से कुछ निहित स्वार्थी तत्वों द्वारा हो रहे मनमाने पन व अनाधिकार कार्यो को नियंत्रित करने की जिला प्रशासन से मांग की।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के अध्यक्ष अशोक कुमार मुन्ना यादव, संरक्षक देवी प्रसाद मिश्र, कार्यवाहक अध्यक्ष लाल जी सिंह, उपाध्यक्ष वित्त राजीव नयन मिश्र, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, सचिव संगठन राज किशोर मिश्र, कोषाध्यक्ष कमलेश वैश्य, योग गुरु राजेंद्र अग्रहरि मुन्ना जी, जग नारायण सेठ, दिनेश अग्रहरि, उमेश महाजन, बुद्धि प्रकाश द्विवेदी, मुरली पांडेय, जतिन मिश्र, अनिल मिश्र, अंकित सिंह, लाल चंद्र अग्रहरि, अनूप कौशल व कार्यालय प्रभारी नीरज मिश्र तथा स्वच्छता नायक राज कुमार गौतम ने विशेष सहभागिता की।

सोमनाथ साह बने लोजपा (रामविलास) मथुरा के जिलाध्यक्ष, चेता सिंह को आगरा मंडल की जिम्मेदारी

मथुरा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) में संगठनात्मक बदलाव के तहत सोमनाथ साह को मथुरा का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार वर्मा ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। वहीं, मथुरा के पूर्व जिलाध्यक्ष चेता सिंह को पदोन्नति देते हुए आगरा मंडल का महासचिव बनाया गया है और उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के अनुसार, आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को देखते हुए पूरे उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत किया जा रहा है। इस क्रम में अरुण भारती को प्रदेश प्रभारी तथा शांभवी चौधरी को प्रदेश सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सोमनाथ साह ने कहा कि पार्टी अपनी विचारधारा और उपलब्धियों के दम पर मथुरा की सभी विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी और आगामी चुनाव में चौंकाने वाले परिणाम सामने आएंगे।

राहुल गांधी का केस सुनने से हाईकोर्ट जज का इंकार

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में सोमवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के जज सुभाष विद्यार्थी ने सुनवाई करने से मना कर दिया है। न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने मामले की सुनवाई से खुद को अलग करते हुए इसे आगे सुनने से इंकार कर दिया। सीजेआई यूपी अब यह मामला किसी अन्य बेंच के समक्ष सुना जाएगा। कोर्ट ने आदेश दिया है कि मामले की फाइल मुख्य न्यायमूर्ति के समक्ष पेश की जाए।

सम्पादकीय.....

महिला आरक्षण के मायने तभी जब सभी को समान मौके मिलें

महिला आरक्षण को विधायिकाओं में महिलाओं के अल्प–प्रतिनिधित्व को दूर करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया जा रहा है। लेकिन उत्सव के बीच एक असहज करने वाली चुप्पी भी मौजूद है और यह चुप्पी इस मूल प्रश्न पर है कि ये महिलाएं कौन होंगी, और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, कौन नहीं होंगी? भारतीय राज्य ने ऐतिहासिक रूप से असमानता की बहुस्तरीय प्रकृति को स्वीकारा है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का संवैधानिक प्रावधान किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं था, बल्कि उस गहरी संरचनात्मक वंचना की स्वीकृति था, जिसने सदियों तक इन समुदायों को सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और राजनीतिक रूप से हाशिए पर रखा। लेकिन जब बात महिलाओं के आरक्षण की आती है, तो एक खतरनाक सरलीकरण सामने आता है, मानो महिलाएं एक समान श्रेणी हों, जिनके अनुभव और अवसर एक जैसे हों। वास्तविकता यह है कि समाज में सत्ता के ढांचे– पितृसत्ता, जाति और वर्ग– अलग–अलग नहीं चलते, बल्कि एक–दूसरे में गुंथे हुए हैं। एक दलित महिला का जीवन–अनुभव एक सवर्ण महिला से भिन्न होता है। एक आदिवासी महिला के सामने आने वाली चुनौतियां लैंगिक आधार पर ही नहीं समझी जा सकतीं। इन अंतरों को नजरअंदाज करना, विधायी सुविधा के नाम पर सामाजिक यथार्थ को मिटा देना है। यही कारण है कि कोटा के भीतर कोटा की मांग महज तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की अवधारणा को सार्थक बनाने का प्रयास है। इसके अभाव में यह लगभग तय है कि आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक सीमित रह जाएगा, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं– सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई। हाशिये के समुदायों की महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश की बाधाएं– आर्थिक संसाधनों की कमी, सामाजिक नेटवर्क का अभाव, दलगत समर्थन की सीमाएं, गहरे पैठे जातिगत पूर्वग्रह– सिर्फ आरक्षण की घोषणा से समाप्त नहीं होतीं। बल्कि प्रतिस्पर्धा के इस नए परिदृश्य में वे और अधिक तीव्र हो सकती हैं। इस परिदृश्य में एक गंभीर आशंका उभरती है– महिला सशक्तीकरण का नारा कहीं अभिजात्य वर्ग की शक्ति को और सुदृढ़ करने का माध्यम न बन जाए। यह आशंका काल्पनिक नहीं है। स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण के अनुभव इस दिशा में महत्वपूर्ण संकेत देते हैं। पंचायतों में महिलाओं की भागीदारी निश्चित रूप से बढ़ी, लेकिन अनेक अध्ययनों ने यह भी दिखाया कि इसका लाभ अकसर प्रभावशाली सामाजिक समूहों की महिलाओं तक ही सीमित रहा। वंचित समुदायों की महिलाएं या तो इससे बाहर रहीं या सत्ता के स्थापित ढांचों के भीतर प्रतीकात्मक उपस्थिति तक सीमित हो गईं। प्रतिनिधित्व इस बात का प्रश्न है कि कौन बोल रहा है, किसके अनुभवों को स्थान मिल रहा है और किन मुद्दों को प्राथमिकता दी जा रही है। किसी महिला का निर्वाचित पद पर होना अपने आप में सभी महिलाओं के हितों का प्रतिनिधित्व नहीं करता। प्रतिनिधित्व तभी सम्भव है जब विविध सामाजिक पृष्ठभूमियों की महिलाएं निर्णय–प्रक्रिया का हिस्सा बनें। यही वह बिंदु है जहां कोटा के भीतर कोटा की आवश्यकता स्पष्ट हो जाती है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए आनुपातिक आरक्षण सुनिश्चित करना किसी प्रकार का विभाजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र को अधिक समावेशी और न्यायसंगत बनाने का प्रयास है। यह इस मूल सत्य की स्वीकृति है कि समानता का अर्थ केवल अवसरों की औपचारिक उपलब्धता नहीं, बल्कि उन बाधाओं को पहचानना और दूर करना भी है, जो विभिन्न समूहों को अलग–अलग तरीकों से प्रभावित करती हैं। इसके विरोध में तर्क दिया जाता है कि इससे व्यवस्था अत्यधिक जटिल हो जाएगी। लेकिन जटिलता को अन्याय का औचित्य नहीं बनाया जा सकता। भारतीय संविधान ने दिखाया है कि वह सामाजिक वास्तविकताओं की जटिलताओं को समाहित करने में सक्षम है। कोटा के भीतर कोटा केवल सीटों का पुनर्वितरण नहीं करता, बल्कि शक्ति के संतुलन को बदलने का प्रयास करता है। साथ ही, यह महिलाओं की श्रेणी के भीतर भी मौजूद असमानताओं को भी उजागर करता है। कहीं आरक्षण का लाभ मुख्यतः उन महिलाओं तक ही सीमित नहीं रह जाए, जो पहले ही अपेक्षाकृत सशक्त हैं– सवर्ण, शहरी और राजनीतिक रूप से जुड़ी हुई। तब हाशिये के समुदायों की महिलाओं का सशक्तीकरण कैसे होगा?

वो दवाइयां किस काम की, जिन्हें लोग खरीद नहीं सकते

डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

हर कुछ सालों में कोई ऐसी दवा आती है, जिसे चिकित्सा विज्ञान की बड़ी उपलब्धियों में गिना जाने लगता है। फिलहाल कीट्रूडा (पेम्ब्रोलिजुमैब) नाम की नई दवा– जो कैंसर के इलाज के लिए बनी है– को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। लेकिन इसने एक असहज करने वाली सच्चाई को भी उजागर किया है– क्या जीवन बचाने वाली दवाएं केवल उन लोगों के लिए हैं जो उनकी कीमत चुका सकते हैं? मर्क कंपनी द्वारा विकसित कीट्रूडा इम्यूनोथेरेपी की श्रेणी की दवा है। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय कर कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में मदद करती है। फेफड़ों के कैंसर, मेलेनोमा, सर्वाइकल और किडनी कैंसर सहित कई प्रकार के कैंसर में इसका उपयोग किया जा रहा है। लेकिन भारत में कीट्रूडा का इलाज इतना महंगा है कि एक साल का खर्च एक करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। एक–एक इंजेक्शन की कीमत लाखों में है। ऐसे में यह अधिकांश मरीजों की पहुंच से बाहर है। फिर कीट्रूडा पर पेटेंट संरक्षण होने के कारण अभी तक इसके सस्ते जेनरिक या बायोसिमिलर विकल्प बाजार में उपलब्ध नहीं हैं। इससे दवा बनाने वाली कंपनी का एकाधिकार बना रहता है और कीमतों पर कोई प्रतिस्पर्धात्मक दबाव नहीं पड़ता। कंपनियों का तर्क है कि इतनी महंगी दवाओं की कीमत उनके शोध और विकास की लागत को पूरा करने के लिए जरूरी है, लेकिन जब यही दवा वैश्विक स्तर पर अरबों डॉलर का कारोबार कर रही हो, तब यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कीमतें वास्तव में लागत पर आधारित हैं या बाजार की ताकत पर। भारत में स्थिति और जटिल हो जाती है, क्योंकि यहां की स्वास्थ्य व्यवस्था अभी भी सीमित संसाधनों पर आधारित है। सरकारी योजनाएं भी इस तरह की महंगी दवाओं को नियमित रूप से कवर नहीं करतीं। निजी बीमा कंपनियां भी अक्सर इसकी पूरी लागत वहन नहीं करतीं। इसके अलावा, कीट्रूडा को अभी तक आवश्यक दवाओं की सूची में शामिल नहीं किया गया है, जिससे इसकी कीमत पर सरकारी नियंत्रण भी सीमित है। परिणाम यह है कि इलाज की जरूरत और इलाज की उपलब्धता के बीच एक गहरी खाई बन जाती है। इस असमानता का एक खतरनाक परिणाम यह भी है कि कुछ मरीज सस्ती दवा की तलाश में गैरकानूनी या अनियमित बाजारों की ओर रुख करते हैं। इससे नकली या घटिया दवाओं का खतरा बढ़ जाता है, जो मरीजों की जान के लिए और भी बड़ा जोखिम बन सकता है। यह स्थिति केवल कानून–व्यवस्था की ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य नीति की विफलता को भी दर्शाती है। कीट्रूडा से जुड़ा यह विवाद केवल एक दवा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक नैतिक प्रश्न उठाता है– क्या जीवनरक्षक दवाओं को केवल एक व्यापारिक उत्पाद के रूप में देखा जाना चाहिए? क्या कंपनियों की जिम्मेदारी केवल इनोवेशन तक सीमित है या उन्हें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी दवाएं जरूरतमंदों तक पहुंच सकें? और सरकारों की भूमिका क्या होनी चाहिए? भारत के पास इस दिशा में कुछ नीतिगत विकल्प मौजूद हैं। जरूरत पड़ने पर अनिवार्य लाइसेंसिंग के जरिए सस्ती दवाओं का उत्पादन शुरू किया जा सकता है। सरकार दवा कंपनियों के साथ मूल्य–निर्धारण पर बातचीत कर सकती है या बड़े स्तर पर खरीद कर कीमत कम कर सकती है। सार्वजनिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का दायरा बढ़ाकर ऐसी दवाओं को शामिल किया जा सकता है। आने वाले वर्षों में जब पेटेंट समाप्त होगा, तब भारतीय कंपनियों द्वारा सस्ते विकल्प लाए जाने की उम्मीद भी है, लेकिन तब तक लाखों मरीजों के लिए इंतजार करना संभव नहीं है। एक और महत्वपूर्ण पहलू इस दवा के प्रचार–प्रसार से जुड़ा है। इसे चमत्कारी दवा के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे मरीजों और उनके परिवारों में अत्यधिक उम्मीदें पैदा हो जाती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि हर मरीज पर इसका असर समान नहीं होता। ऐसे में जरूरी है कि डॉक्टर और कंपनियां मरीजों को पूरी और संतुलित जानकारी दें, ताकि वे सही निर्णय ले सकें।यह मामला हमें सोचने पर मजबूर करता है कि चिकित्सा क्षेत्र में असली प्रगति क्या है। क्या केवल नई दवाएं विकसित करना ही प्रगति है, या यह सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है कि वे सभी तक पहुंच सकें? यदि जीवनरक्षक दवाएं कुछ लोगों तक सीमित रहेंगी, तो यह न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था, बल्कि सामाजिक न्याय की भी विफलता है। मेडिकल इनोवेशन का उद्देश्य केवल विज्ञान को आगे बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति तक उसके लाभ को पहुंचाना भी होना चाहिए। यदि जीवनरक्षक दवाएं कुछ लोगों तक सीमित रहेंगी, तो यह न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था, बल्कि सामाजिक न्याय की भी विफलता है। मेडिकल इनोवेशन का उद्देश्य समाज के हर व्यक्ति तक उसके लाभ को पहुंचाना होना चाहिए।

सराहनीय मछली प्रेम

मछली अतिसंवेदनशील जलीय प्राणी है। हमारे देश में तो इसे शुभ सगुन माना जाता है। घर से निकलते समय बोला जाता है कि दही–मछली लेते आना। हमारे भगवान ने भी पहला अवतार मछली (मत्स्य) का ही धारण कर मनु जी को जल प्रलय से बचाया। उन्हीं मनु से मनुष्यों का जन्म माना जाता है। मछली जल की रानी है लेकिन जल से निकलते ही उसकी मौत हो जाती है। यह अटूट प्रेम भी किसी अन्य प्राणी में देखने को नहीं मिलता। संसार का सबसे बड़ा जीव भी मछली को ही माना गया है। भारत और बांग्लादेश में मछली की एक विशेष प्रजाति को बचाने के लिए सैन्य स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। बंगाल की खाड़ी में दो महीने तक मछली पकड़ने पर सख्त प्रतिबंध लगा दिया गया है। समुद्र के किनारे रहने वालों के लिए मछली भोजन का एक प्रमुख साधन है इसलिए बांग्लादेश की सरकार ने उन सभी लोगों को भरपूर चावल देने का निर्णय लिया है जो मछली पकड़ कर अपनी आजीविका चलाते हैं। यह प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि आगामी दो महीने हिल्सा मछलियों का प्रजनन काल माना जाता है। बांग्लादेश की यह राष्ट्रीय मछली है और भारत में विशेषकर पश्चिम बंगाल में इसे बहुत स्वादिष्ट माना जाता है। इस बीच, जर्मनी से एक चिंताजनक खबर जरूर मिली है। जर्मनी के समुद्र किनारे एक विशालकाय ह्वेल मछली जीवन–मृत्यु से संघर्ष कर रही है। उसको बचाने के प्रयास हो रहे हैं। लगभग 44 फिट लम्बी यह मछली बच जाए, इसके लिए हम सभी ईश्वर से प्रार्थना करें। अब बांग्लादेश के मछुआरे अगले 2 महीनों तक बंगाल की खाड़ी में मछली नहीं मार पाएंगे। बंगाल की खाड़ी में 58 दिन का मछली पकड़ने पर लगा बैन 15 अप्रैल से लागू हो गया है। इसका उद्देश्य यहां पाई जाने वाली हिल्सा और अन्य मछलियों को प्रजनन के समय बचाना है और उनका संरक्षण करना है। बांग्लादेश के अखबार डेलीस्टार की रिपोर्ट के अनुसार यह पाबंदी बांग्लादेश के मत्स्य और पशुपालन मंत्रालय द्वारा लगाई गई है और 11 जून तक चलेगी। इस दौरान समुद्र में हर तरह की मछली पकड़ने पर रोक रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश के एक मत्स्य अधिकारी, एमडी इकबाल हुसैन ने बताया कि खाड़ी के पास मौजूद भोला जिले में लगभग 1,70,000 मछुआरे पंजीकृत (रजिस्टर्ड) हैं, जिनमें से 63,954 लोगों को वल्नरेबल ग्रुप फीडिंग (वीजीएफ) योजना के तहत मदद दी गई है। हर व्यक्ति को 77 किलो चावल मिलेगा। हालांकि इसका वितरण कब शुरू होगा, यह अभी तय नहीं है, क्योंकि तैयारी अभी चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार मछुआरों का कहना है कि वे पहले से ही कम मछली मिलने की समस्या से जूझ रहे हैं और हाल ही में तेल–गैस की कमी के कारण वे नाव लेकर गहरे समुद्र में मछली पकड़ने नहीं जा पा रहे हैं।

बरिशाल डिविजनल स्मॉल फिशरमेन एसोसिएशन के अध्यक्ष इजरायल पंडित ने कहा कि भोला के लगभग एक–तिहाई मछुआरे प्रभावित हुए हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि हर परिवार को कम से कम 100 किलो चावल दिया जाए और साथ में नकद सहायता भी दी जाए। इससे पहले बांग्लादेश की सेना ने अंडे देने के मौसम के दौरान हिल्सा मछली को अवैध रूप पकड़ने से बचाने के लिए एक खास सर्विलांस कैंपेन के तहत युद्धपोतों (जंगी जहाज) और गश्ती हेलीकॉप्टरों को तैनात किया था। हिल्सा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है और भारत के पश्चिम बंगाल में भी इसे बहुत पसंद किया जाता है। यह मछली अंडे देने के लिए हर साल बंगाल की खाड़ी से नदियों में लौटती है। बांग्लादेशी अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अंडे देने वाले क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए 4 अक्टूबर से लेकर 25 अक्टूबर तक मछली पकड़ने पर तीन सप्ताह का बैन लगाया था। गौरतलब है कि बांग्लादेश में लाखों लोग इस मछली पर निर्भर हैं, जिसकी कीमत ढाका में प्रति किलोग्राम 2,200 टका (भारत में लगभग 1600 रुपए) तक हो सकती है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'पश्चाताप'

फोन की घंटी बजी.. रामप्रसाद जी का मन आशंकित हो उठा. . उन्होंने काँपते हाथों से फोन उठाया।

ष्हेलो..ष भयभीत स्वर में वह बुदबुदाए। पास खड़ा अभय चिंतित हो उठा।

अस्पताल के डॉक्टर रोहित बोल रहा हूँ क्षमा करिएगा आपकी बेटी को बहुत प्रयासों के बाद भी बचा नहीं पाए , इसी के साथ फोन कट गया।

रामप्रसाद जी कटे वृक्ष के समान धराशायी हो गए। आँखों के आगे अंधेरा छा गया। अभय ने उन्हें जैसे तैसे संभाला।

ष्काश! बेटी की शादी उस घर में न की होती तो वह आज ज़िंदा होती,ष फूट फूट कर रोते हुए वह बोल रहे थे।

ऊँचा घराना.. संपन्न परिवार ..सब कुछ तो देखा था अपनी हैसियत से ज्यादा दान दहेज भी दिया था।

अभय और बेटी राधा एक दूसरे से शादी करना चाहते थे। रामप्रसाद जी ने गैर जाति और मध्यम वर्गीय लड़का देखकर साफ मना कर दिया और उच्च कुल के अपने पसंदीदा लड़के से अफरा तफरी में शादी कर दी थी। राधा के ससुराल वाले बहुत ही दुष्ट प्रकृति के थे। आज राधा की हालत के जिम्मेदार वही लोग थे।

अंकल जी ईश्वर की मर्जी के आगे किसकी चलती है अपने को संभालें ..देखिए आंटी जी की तबीयत बहुत खराब हो रही है,ष अभय भर्राए गले से रामप्रसाद जी के कंधे पर हाथ रखता हुए बोला।

अभय का हाथ पकड़ कर रामप्रसाद जोर जोर से रोने लगे. .. पश्चाताप की अग्नि में झुलस रहे थे.. काश !...।

सीमा वर्णिका, कानपुर

जीवन की सांझ में निराशा

अमेरिका की समाज व्यवस्था व्यक्तिवादी है। संयुक्त परिवार व्यवस्था नहीं है। अमेरिका में रहने वाले तमाम भारतवासी हमारे परिचित हैं। वे अपने पुत्रों के किस्से सुनाते हुए भावुक हो जाते हैं। आँखें छलछला जाती हैं। ताजी घटना ने मुझे मर्माहत किया है। मेरे एक मित्र के दोनों पुत्र परिवार सहित अमेरिका में कार्यरत हैं। जीवन के अंतिम दिनों में पत्नी के साथ अकेले रह गए। बीमारी के समय न तो संतानें साथ थीं और न ही उचित देखभाल का सहारा मिला। निधन के उपरांत एक पुत्र और दूसरे की पत्नी औपचारिक रूप से आए। किंतु अंतिम संस्कार तक में वह श्रद्धा परंपरा का भाव नहीं। अस्पताल से सीधे श्मशान ले जाकर बिना विधि–विधान के अंत्येष्टि कर दी गई। घर तक लाना भी आवश्यक नहीं समझा गया। घटना बदलते पारिवारिक मूल्यों और वृद्धों की उपेक्षा का मार्मिक उदाहरण है। मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती ? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद् जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में 'पश्येम शरदः शतं–100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करतीं। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव–समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है। वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों–पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र–राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र राज्य सतर्क हैं। इस पर कानून भी है लेकिन समाज इस महत्वपूर्ण समस्या पर सजग व सतर्क नही है। भारतीय समाज जीवन संयुक्त परिवारों में विकसित हुआ है। ऐसे परिवारों के सुख–दुख साझे रहे हैं। वृद्ध अपने बड़े परिवारों में आनंदित रहते हैं। लेकिन अब संयुक्त परिवारों की परंपरा टूट गई है। सब एकाकी रहना चाहते हैं। वृद्ध अकेले हो रहे हैं। वे उपयोगी नहीं माने जाते। वे अशक्त हैं। आधुनिक उपयोगितावाद के कारण वृद्धावस्था के शारीरिक कष्टों में अब मानसिक संताप भी जुड़ गए हैं। ज्यादातर वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाएं कुचालक हो रही हैं। सभी प्राणी काल के भीतर हैं। मनुष्य भी। जन्म और शैशव ऊषाकाल है। बचपन संभावनाओं का बीज है। संभावना का बीज फूटता है। जीवन ऊर्जा से भरीपूरी तरूणाई आती है। तरूणाई भी स्थिर नहीं है। 40–50 शरद् पूर्णिमा आई, गई। जीवन का संध्या काल आया। ऊर्जा घटी, शरीर टूटा। प्राचीन कवि बता गए है–शीर्यते इति शरीरं। जो शीर्ण होता रहता है, वह शरीर है। शरीर सतत् क्षरणशील है। 60 वर्ष के आसपास आ जाती है वृद्धावस्था। आयुर्वेद के ग्रंथ शारंगधर संहिता में मनुष्य शरीर के क्षरण का सुंदर उल्लेख है। लिखा है कि प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव ह्रास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी वाल्यावस्था का ह्रास होता है। फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। वृद्धि रूक जाती है। फिर अगले 10 वर्ष में कान्ति चेहरे की दीप्ति का ह्रास, फिर आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौन्दर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है।" आधुनिक विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं। वृद्ध होना सबकी नियति है। बुढ़ापा अभिशाप नहीं है। वृद्धों के पास संसार के जीवन्त अनुभवों का कोष होता है। अनुभव का कोष महत्वपूर्ण है। वृद्ध के पास दिशा होती है, युवक के पास गति और ऊर्जा। वृद्धों के दिशा दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी है।

माता–पिता भी मार्गदर्शक संरक्षक होते हैं। वे न होते तो हम न होते। ऋग्वेद में पृथ्वी माता है, आकाश पिता है। इस उदाहरण में विराट पृथ्वी और अनंत आकाश की तुलना माता–पिता से की गई है। माता–पिता से हमारे अंतर्सम्बंध एकात्म है। वे जनक है। वे हमारा भविष्य संवारने में जुटे दो देव हैं। वे प्रतिपल प्यार और शुभांशंसा उड़ेलने वाले शक्ति केन्द्र है। उनका आदर और सम्मान हमारा कर्त्तव्य है। माता–पिता के प्रति हमारा सम्मान अतर्क्य है। ऋषि की इच्छा है कि हम पृथ्वी को मां जैसी और आकाश को पिता जैसी प्रतिष्ठा दें। ऋग्वेद (10.22.3) में इन्द्र से कहते हैं "जैसे पिता अपने पुत्र को संरक्षण देता है आप हमे वैसे ही संरक्षण दें–पिता पुत्रमिव प्रियम्।" यहां पिता का संरक्षण सबसे बड़ा है। ऋषि की कामना है कि इन्द्र भी उसे पिता जैसा संरक्षण दें। हाथ पकड़े रहें, हम गिरें तो वे तत्काल उठा लें। एक अन्य मंत्र में इन्द्र से प्रार्थना है कि आप हमें पिता की तरह वुद्धि दें–प्रमतिपितेव। इन्द्र ज्ञानी हैं। यह समाज की मान्यता है लेकिन पिता द्वारा दी गई बुद्धि की बात ही दूसरी है। ऋषि पिता की बुद्धि को श्रेय जानता है। देव सामाजिक मान्यता हैं। पिता यथार्थ हैं। प्रत्यक्ष संरक्षक व सुखदाता है। सोम से स्तुति है, "हमें वैसे ही सुखी रखो, जैसे पिता पुत्र को सुखी रखता है।" सुख कई तरह का होता है।

संजय दत्त की आखिरी सवाल ने जीता दिल! अब साइन लैंग्वेज में भी रिलीज हुआ फिल्म का टीजर!

संजय दत्त की फिल्म आखिरी सवाल का फैंस को बहुत बेसब्री से इंतजार है। इसके अनाउंसमेंट के बाद से ही काफी चर्चा हो रही है। मेकर्स ने हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर फिल्म का टीजर रिलीज किया था, जो हमें दुनिया के सबसे बड़े संगठन आरएसएस के इतिहास की उन परतों में ले जाता है जिन्हें पहले कभी पर्दे पर नहीं दिखाया गया। अब मेकर्स ने एक बहुत ही सराहनीय कदम उठाते हुए इस टीजर को इंडियन साइन लैंग्वेज (इशारों वाली भाषा) में भी रिलीज किया है। यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि हर कोई, चाहे वो सुन सके या नहीं, इस फिल्म की कहानी से जुड़ सके। मेकर्स चाहते हैं कि यह टीजर हर किसी तक पहुँचे और हर कोई इसे अपनी तरह से समझ और महसूस कर सके। इससे साफ पता चलता है कि मेकर्स की कोशिश है कि भारत के इतिहास का यह हिस्सा किसी से भी छूट न जाए। यह वाकई मेकर्स की उन कोशिशों के बारे में बहुत कुछ कहता है जो इस विषय को हर किसी के लिए सुलभ बनाना चाहते हैं। उन्होंने प्रभावी ढंग से यह सुनिश्चित किया है कि भारत के इतिहास के उस हिस्से को देखने से कोई भी वंचित न रहे, जिसे पर्दे पर बहुत कम दिखाया गया है।

आखिरी सवाल का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्ममेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म के प्रोड्यूसर निखिल नंदा और संजय दत्त हैं, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

> “ यह वाकई मेकर्स की उन कोशिशों के बारे में बहुत कुछ कहता है जो इस विषय को हर किसी के लिए सुलभ बनाना चाहते हैं।

ओमंग कुमार की 'सिला' की शूटिंग पूरी, हर्षवर्धन राणे और सादिया खातिब स्टारर पावर–पैक्ड एक्शन–रोमांस

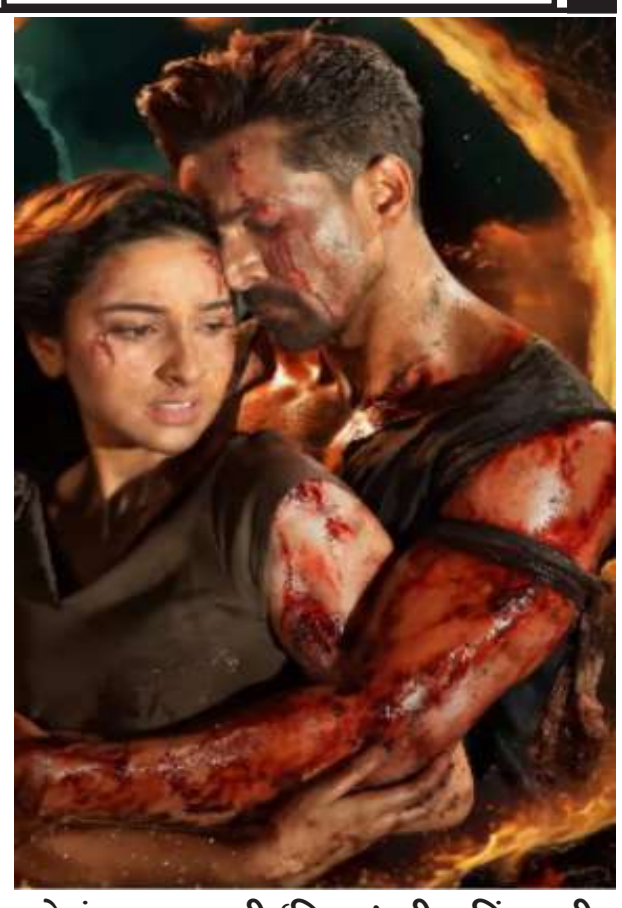

नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक की फिल्म 'सिला' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। इस फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में और नजर आएंगे। यह फिल्म प्यार, जुनून और एक्शन से भरपूर कहानी को पेश करती है, जिसकी जड़ें इमोशन और रिडेम्पशन में बसी हैं। वियतनाम, कश्मीर और मुंबई जैसी खूबसूरत लोकेशनों पर शूट की गई 'सिला' ने अपने आखिरी शेड्यूल के साथ एक लंबे और चुनौतीपूर्ण शूट को पूरा कर लिया है। खासतौर पर वियतनाम शेड्यूल ने फिल्म को एक अलग स्केल और विजुअल टेक्सचर दिया है, जहां हर्षवर्धन और सादिया के बीच के अहम इमोशनल सीन्स कहानी का मुख्य आधार बनकर उभरते हैं। फिल्म में और भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जो इस कहानी को और मजबूती और गहराई देते हैं। शूटिंग पूरी होने के बाद अब 'सिला' पोस्ट–प्रोडक्शन के चरण में प्रवेश कर चुकी है और साल 2026 में इसकी थिएट्रिकल रिलीज की तैयारी चल रही है। एक हाई–इम्पैक्ट एक्शन–रोमांस के रूप में पेश की जा रही यह फिल्म स्केल और इमोशन का बेहतरीन संतुलन दर्शकों के सामने लाने का वादा करती है। के कंटेंट हेड के नेतृत्व में प्रस्तुत, 'सिला' ब्लू लोटस पिक्चर्स और स्टार्क एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है। फिल्म का संगीत द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा। ओमंग कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरा जी नहीं भरा' ने जीता दिल, `मातृभूमि' के गाने में दिखा प्यार और जज्बात

सलमान खान फिल्म्स की फिल्म मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस का गाना 'मेरा जी नहीं भरा' रिलीज होते ही दर्शकों के दिलों में उतर गया है। जैन शॉ और अभिश्री सेन पर फिल्माया गया यह गीत युद्ध के माहौल में पनपती एक नाजुक प्रेम कहानी को खूबसूरती से दर्शाता है।गाने की मेकिंग झलक भी सामने आई है, जिसमें दोनों कलाकारों की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री और मेहनत साफ दिखाई देती है। यह गीत फिल्म की कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ता है और दर्शकों को एक अलग एहसास से जोड़ता है। गाने को खास बनाने में शबीना खान का बड़ा योगदान है। उन्होंने कलाकारों के साथ मिलकर हर मूवमेंट में प्यार और भावना को जीवंत करने की पूरी कोशिश की है, जो स्क्रीन पर साफ झलकता है। इस गीत को श्रेया घोषाल और विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है। वहीं संगीत शमीर टंडन और कुमार गौरव सिंह ने तैयार किया है, जबकि इसके भावपूर्ण बोल विश्वदीप जीस्ट ने लिखे हैं। फिल्म का निर्माण सलमान खान ने अपने बैनर के तहत किया है और निर्देशन अपूर्व लाखिया ने संभाला है। यह फिल्म साहस, बलिदान और संघर्ष की कहानी को प्रभावशाली तरीके से पेश करने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी।

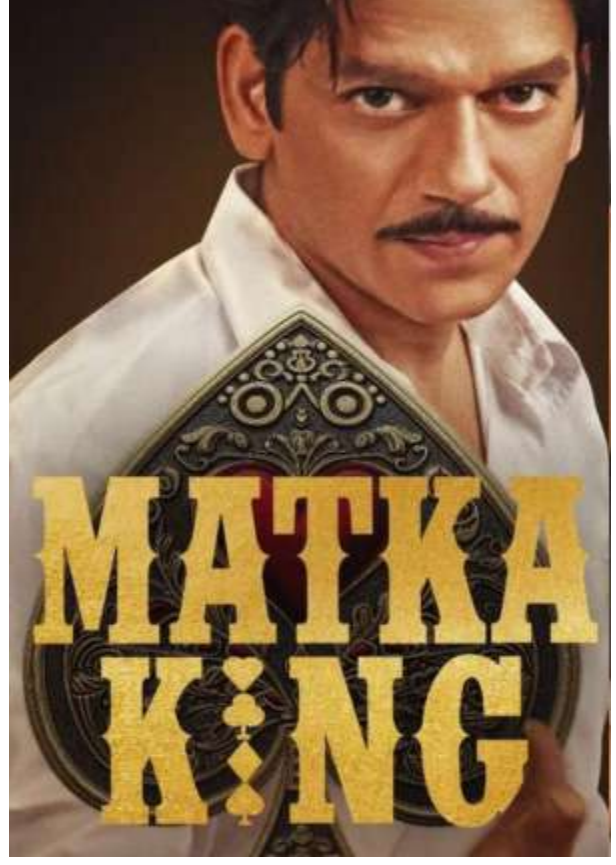

प्राइम वीडियो की मटका किंग ने जीता सबका दिल, क्रिएटर्स और स्टार्स ने सेलिब्रेट किया धमाकेदार रिस्पॉन्स

प्राइम वीडियो की सीरीज मटका किंग ने अपनी रिलीज के बाद से ही इंटरनेट पर धूम मचा दी है, और लोग इस सीरीज पर जमकर अपना प्यार और तारीफें बरसा रहे हैं। विजय वर्मा की जानदार और गहरी परफॉर्मेंस से लेकर पूरी स्टार कास्ट के शानदार काम तक, दर्शकों ने खुलकर अपनी पसंद जाहिर की है। वहीं डायरेक्टर नागराज पोपटराव मंजुले की बेहतरीन कहानी और उनके अनोखे विजन की भी हर तरफ चर्चा हो रही है। इसी कामयाबी और प्यार का जश्न मनाने के लिए मटका किंग की पूरी फैमिली सिद्धार्थ रॉय कपूर (रॉय कपूर फिल्म्स) के घर पर एक प्यारी और यादगार गेट–टुगेदर के लिए इकट्ठा हुई। इस शाम को और भी खास बनाया शो के क्रिएटर्स नागराज पोपटराव मंजुले और अभय कोरन्ने ने, जिनके साथ कास्ट के सदस्य विजय वर्मा, सई ताम्हणकर और भूपेंद्र जादावत भी इस खुशी में शामिल हुए। साथ ही निखिल मधोक (डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया), साहिरा नायर (हेड ऑफ हिंदी स्क्रिप्टेड सीरीज, प्राइम वीडियो इंडिया) और स्तुति रामचंद्र (डायरेक्टर और हेड ऑफ प्रोडक्शन एंड पोस्ट, इंटरनेशनल ओरिजिनल्स, प्राइम वीडियो इंडिया) ने भी एक साथ आकर सीरीज को मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स का जश्न मनाया। ध्अभय कोरन्ने द्वारा क्रिएट और लिखी गई, और नागराज पोपटराव मंजुले द्वारा क्रिएट, लिखित और निर्देशित मटका किंग में विजय वर्मा, कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ जाधव, भूपेंद्र जादावत और गुलशन ग्रोवर लीड रोल्स में हैं।

डेज ऑफ अवर लाइव्स फेम पैट्रिक मुल्डून का निधन, 57 की उम्र में ली अंतिम सांस

एक्टर और प्रोड्यूसर पैट्रिक मुल्डून का 19 अप्रैल को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है। वह 57 साल के थे। वह शो डेज ऑफ अवर लाइव्स और फिल्म स्टारशिप ट्रूपर्स में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते थे। कैलिफोर्निया के सैन पेड्रो में जन्मे मुल्डून ने यूएससी से ग्रेजुएशन किया। उन्होंने अपने कॉलेज के दिनों में ही एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। तब उन्हें सिटकॉम श्हूज द बॉस? के दो एपिसोड में काम करने का मौका मिला। मुल्डून ने डेज ऑफ अवर लाइव्स में ऑस्टिन रीड का किरदार निभाया था, जिसे उन्होंने 1992 से 1995 तक और फिर 2011 से 2012 तक दोहराया। उन्होंने श्मेलरोज प्लेसश के तीसरे से पांचवें सीजन तक विलेन का किरदार भी निभाया। 1990 के दशक के आखिर और 2000 के दशक में कई टीवी फिल्मों में भी काम किया। बड़े पर्दे पर, मुल्डून ने 1997 की फिल्म स्टारशिप ट्रूपर्स में अभिनय किया। उनकी आखिरी फिल्म, क्राइम थ्रिलर डर्टी हैंड्स इसी साल रिलीज होने वाली है। मुल्डून ने कई फिल्मों को एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस भी किया, जिनमें अरकंसास, मार्लो और रिफ राफ शामिल हैं। मुल्डून को संगीत से बहुत प्यार था। वे हमेशा पार्टियों की जान होते थे। उन्हें अक्सर अपने गिटार के साथ देखा जाता था।

बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार कमाई के बाद ओटीटी पर रिलीज होने की तैयारी में धुरंधर 2

'धुरंधर 2' रिलीज के बाद से ही सुर्खियों में है। फिल्म ने रिलीज के बाद कई रिकॉर्ड तोड़े और अभी भी मूवी सिनेमाघरों में लगी हुई है। अब फैंस इसके जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए एक्साइटेड हैं। जानिए फिल्म कब और किस प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी। फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर रही है। भूत बंगला के रिलीज के बाद भी इसकी बुकिंग जारी है। इसलिए अभी इसे ओटीटी पर रिलीज होने में थोड़ा समय लग सकता है। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक धुरंधर 2 मई के आखिर या जून के शुरूआत में ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। इसका पहला पार्ट नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ था, लेकिन 'धुरंधर द रिवेंज' डिजिटल राइट्स जियो हॉटस्टार के पास हैं। जियो हॉटस्टार 150 करोड़ की डील साइन कर इसके राइट्स लिए हैं। इसका मतलब यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह दो–भागों वाली स्पाई थ्रिलर फ्रेंचाइजी बॉक्स ऑफिस पर कामयाब रही है। मूवी में रणवीर सिंह, सारा अर्जुन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और राकेश बेदी अहम किरदार में नजर आए हैं। दिसंबर 2025 में रिलीज हुई पहली किस्त ने दुनिया भर में लगभग 1300 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसकी अगला पार्ट, जिसका नाम धुरंधर द रिवेंज है, 19 मार्च 2026 में रिलीज हुई। यह घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली हिंदी फिल्म बन गई। इसने अब तक दुनिया भर में 1750 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। अब फिल्म ओटीटी पर रिलीज होने की तैयारी में है।

गर्मी में त्वचा रहेगी ग्लोइंग और बेदाग जब आजमाएंगी ये 4 स्किन केयर टिप्स

गर्मियों का मौसम चल रहा है। इस मौसम में धूप और मिट्टी स्किन को बहुत नुकसान पहुंचाती है, जिसका नतिजा होता है स्किन पर एक्ने, कील–मुहांसे आदि।इससे स्किन डल भी नजर आने लगती है। इसलिए बहुत जरूरी है इस मौसम में चेहरे की खास देखभाल। चलिए आज हम यहां आपको बताएंगे कि गर्मी के मौसम स्किन की देखभाल करने के आसान टिप्स...

गर्मियों में ऐसे करें स्किन की देखभाल

स्किन को ध्यान में रखकर करें फेस वॉश का चयन

गर्मी के मौसम में स्किन ऑयली हो जाती है। ऐसे में आपको स्किन से एक्सट्रा ऑयल को निकालना चाहिए। इसके लिए आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर फेसवॉश चुनें। इससे चेहरे की गहराई से सफाई करें। इससे स्किन पर जमा गंदगी और धूल–मिट्टी निकल जाती है और एक्ने से बचाव होता है।

स्किन को हाइड्रेट रखें

गर्मी में स्किन को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारी बॉडी से पसीना निकलता है।जिससे स्किन डिहाइड्रेट हो जाती है। इसलिए स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके साथ ही स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी पिएं।

डेड स्किन सेल्स निकालें

स्किन को एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी होता है। इसलिए स्किन को एक्सफोलिए करने से चेहरे पर जमा गंदगी, एक्सट्रा ऑयल निकल जाता है। इसके लिए आप किसी अच्छे स्क्रबर का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप चाहें तो चीनी और कॉफी का स्क्रबर तैयार कर सकते हैं।

सूरज की किरणों से यूं करें बचाव

सूरज की किरणों से स्किन को नुकसान पहुंचता है। ये आपको समय से पहले बूढ़ा बना सकती हैं, इसलिए बाहर जाने से पहले चेहरे पर सनस्क्रीन जरूर लगानी चाहिए। ऐसा करने से स्किन टैनिंग से बचेगी साथ ही काले–धब्बे भी नहीं पड़ेंगे।

रोटी परोसते समय की ये गलतियां तो रुठ जाएंगी धन की देवी मां लक्ष्मी !

वास्तु का व्यक्ति के जीवन में बहुत ही खास महत्व होता है। घर बनाने से लेकर किचन हर चीज के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ नियम बताए गए हैं। यदि व्यक्ति इन वास्तु नियमों का पालन न करे तो जीवन में उसे कई तरह के नुकसान झेलने पड़ सकते है। वास्तु नियमों का पालन करने से घर में पॉजिटिव एनर्जी का वास होता है। इसके अलावा इस शास्त्र में खाना परोसने के भी कुछ नियम बताए गए हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, रोटी परोसते समय इन वास्तु नियमों का ध्यान रखना जरुरी है। तो चलिए आपको बताते हैं रोटी परोसने से पहले किन वास्तु नियमों का पालन करना जरुरी है...

न दें हाथ में रोटी

मान्यताओं के अनुसार, कभी भी हाथ में रोटी नहीं देनी चाहिए। इससे घर में दरिद्रता फैलती है। इसके अलावा रोटी हमेशा खाने की प्लेट में ही रखनी चाहिए। हाथ में रोटी देने वास्तु शास्त्र में शुभ नहीं माना जाता है।

थाली में न परोसें तीन रोटियां

इसके अलावा थाली में रोटी परोसते समय भी वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए। रोटी परोसते समय कभी भी एक थाली में तीन रोटियां नहीं देनी चाहिए। आप दो या 4 रोटियां व्यक्ति को दे सकते हैं। तीन रोटी देना वास्तु शास्त्र में अशुभ माना जाता है।

जरुरत से ज्यादा ही बनाएं रोटियां

वास्तु शास्त्र की मानें तो रोटियां हमेशा घर में जितने सदस्य हों उनसे ज्यादा बनानी चाहिए। वहीं पहली रोटी गाय और आखिरी रोटी कुत्ते को खिलाना शुभ मानी जाती है। इससे घर में बरकत होती है।

न खाएं बासी आटे की रोटी

बासी आटे की रोटी खाना भी वास्तु मान्यताओं के अनुसार, शुभ नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पारिवारिक कलेश उत्पन्न होने लगता है। इसके अलावा बासी रोटी का संबंध राहु से माना जाता है ऐसे में इस रोटी को आप कुत्ते को खिला सकते हैं।

स्किन एक्सपर्ट्स से जानिए 15 दिन में फेशियल कराने के फायदे, चेहरा दिखेगा बेहद खूबसूरत

इस बात में तो कोई दो राय नहीं है कि त्वचा को हर थोड़े दिनों में डीप क्लीन किए जाने की जरूरत होती है। साथ ही नरिशमेंट भी बेहद अहम होता है। फेशियल इन दोनों ही जरूरतों को काफी अच्छे से पूरा करता है। यही कारण है कि आप किसी भी स्किन एक्सपर्ट्स के पास जाएं, वह आपको फेशियल करवाने की सलाह जरूर देगा।

आमतौर पर महिलाओं महीने में एक या दो बार फेशियल करवाती है। लेकिन अगर आप महीने में दो बार यानि की हर 15 दिन पर फेशियल करवाएंगी तो इससे स्किन को ज्यादा फायदा होगा।

15 दिन में फेशियल

15 दिन में एक बार फेशियल करवाने से आपकी स्किन क्लीन रहती है। इसके अलावा यह पोर्स को साफ करने के साथ ही डेड स्किन को भी हटाता है। ब्लेकहेड्स से लेकर वाइटहेड्स को रिमूव करता है। ऐसे में जब महीने में दो बार स्किन को डैमेज करने वाली चीजों को रूिव किया जाएगा तो आपकी स्किन ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनी रहेगी।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

डर्मेटोलॉजिस्ट रश्मी शेट्टी ने अपना वीडियो शेयर करते हुए इस बारे में पूरी जानकारी दी है। उनका कहना है कि फेशियल करवाने को लेकर कोई रूल सेट नहीं है। लेकिन अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप महीने में दो बार फेशियल करवा सकती हैं। इससे आपकी स्किन हाइड्रेशन पाने के साथ ही चेहरे को प्लम्प लुक मिलेगा।

डॉक्टर ने बताया कि जिन लोगों की स्किन में पोर्स जल्दी क्लघॅग हो जाते हैं या जल्दी ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स आ जाते हैं। वह 15 दिन में 2 बार क्लीनप करवा सकते हैं। डॉक्टर के अनुसार, सेंसेटिव स्किन वालों को सोच–समझकर फेशियल करवाना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोगों की स्किन जल्दी इरिटेट हो जाती है। जिसके कारण नई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे काम करता है फेशियल

फेशियल स्किनकेयर ट्रीटमेंट होता है। जिसमें अलग–अलग प्रॉडक्ट्स और टेक्नीक्स इस्तेमाल की जाती हैं। इनके कॉम्बिनेशन की मदद से एक से डेढ़ घंटे के अंदर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

इसके अलावा सूदिंग मास्क एंड क्रीम्स से स्किन को हाइड्रेशन दिया जाता है।

फेशियल के दौरान यूज किए जाने वाले हैंड मूवमेंट्स एजिंग साइन्स को कम करने और फेश के शेप को उभारने में मदद करते हैं।

ऐसे किया जाता है फेशियल

पहले चेहरे को क्लेंजर से साफ किया जाता है।

फिर स्क्रब कर स्किन एक्सफॉलिएट की जाती है।

इसके बाद टैनिंग रिमूव करने के लिए फेस पर 10 से 15 मिनट के लिए मास्क लगाया जाता है।

खासतौर पर तैयार क्रीम्स से फेस की मसाज की जाती है। मसाजिंग टेक्नीक्स की मदद से स्किन रिलैक्स होने के साथ ही फेस कॉन्टूरिंग पर फोकस किया जाता है।

फिर चेहरे को साफ कर फेस पैक 10–15 मिनट के लिए अप्लाई किया जाता है।

लास्ट स्टेप में फेस को साफ करने के बाद फेस क्रीम और सनस्क्रीम लगाई जाती है।

घर पर करें फेशियल

पहले किसी जेंटल फेस वघॅश से अपने चेहरे को क्लीन करें।

इसके बाद होम मेड या मार्केट से खरीदे गए स्क्रब से 5 मिनट कर स्क्रबिंग करें।

फिर फेस स्टीम लें और मॉइस्चराइजर से चेहरे की 10 मिनट तक मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को साफ करने के बाद चेहरे पर 15 मिनट के लिए फेस पैक अप्लाई करें

फिर हल्के गुनगुने पानी से फेस को क्लीन करें और क्रीम लगाएं।

आप लास्ट स्टेप में बादाम तेल या फिर स्किन को सूट करने वाला कोई ऑयल लगाएं।

भीषण गर्मी में शरीर को अंदर से ठंडा रखेगा पुदीना शरबत, बनाने का आसान तरीका

अब दिनों दिन गर्मी बढ़ती जा रही है। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप में अगर कुछ ठंडा–ठंडा मिल जाए तो राहत मिल जाती है। ऐसे में, फ्रिज का ठंडा पानी पीने से गला तो तर हो जाता है, लेकिन शरीर की अंदरूनी गर्मी शांत नहीं होती। अंदरूनी गर्मी को शांत करने के लिए कुछ नेचुरल और हेल्दी ड्रिंक ही पीनी चाहिए। इसके लिए सबसे बेस्ट पुदीने का शरबत है। पुदीने का शरबत गर्मियों के लिए एक बेहद ताजा और स्वास्थ्यवर्धक ड्रिंक है, जो पेट को ठंडक प्रदान करता है। यह पाचन में सुधार करता है, शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और लू से बचाता है। अगर आप भी इस गर्मी में ठंडक महसूस करना चाहते है तो हर रोज पुदीने का शरबत बनाकर पिएं। तो चलिए जानते है घर पर पुदीना का शरबत बनाने का आसान तरीका...

पुदीना शरबत बनाने के लिए जरूरी सामग्री

घर पर पुदीना का शरबत बनाने के लिए एक कप ताजा पुदीना पत्तियां (धोकर) लें, 2 बड़े चम्मच नींबू का रस, स्वादानुसार चीनी या गुड़ (शहद भी इस्तेमाल कर सकते हैं), आधा चम्मच काला नमक, आधा चम्मच भुना जीरा पाउडर और ठंडा पानी और बर्फ के टुकड़े लें।

पुदीना शरबत बनाने का तरीका

पुदीना का शरबत बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में पुदीना पत्तियां, चीनी, काला नमक और भुना जीरा डालकर थोड़ा पानी मिलाएं और अच्छी तरह पीस लें।इसके बाद इस मिश्रण को एक जग में निकाल लें और इसमें नींबू का रस डालें। अब इसमें जरूरत के अनुसार ठंडा पानी मिलाकर अच्छी तरह घोल लें। अगर आप चाहें तो इसे छान भी सकते हैं। तैयार शरबत को गिलास में डालें, बर्फ के टुकड़े डालें और ऊपर से पुदीने की पत्ती से सजाकर सर्व करें। अगर आप इसे ज्यादा हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो चीनी की जगह मिश्री का इस्तेमाल करें। मिश्री की तासीर ठंडी होती है, जो गर्मी से होने वाली परेशानियों में राहत देती है।

स्वाद में कड़वी लेकिन गुणों की खान है ये हरी सब्जी, बड़ी से बड़ी बीमारियों की है दुश्मन

करेला एक आम सब्जी है जो देसी घरों में आसानी से मिल जाती है। इसे बड़े लोग जितना पसंद करते हैं, बच्चे उतना ही नापसंद करते हैं। अगर आप बचपन से ही करेले को अपने रोजाना के खाने में शामिल करते हुए बड़े नहीं हुए हैं, तो आपको इसके कड़वे स्वाद की आदत डालने में थोड़ा समय लग सकता है। भले ही ये स्वाद में कड़वा हो लेकिन शरीर के लिए यह किसी वरदान से कम नहीं है। चलिए जानते हैं इसके फायदों के बारे में

करेले में पाया जाता है ये सब

एक ताजे करेले मे 1 ग्राम प्रोटीन, 0 ग्राम फैट, 5 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 3 ग्राम फाइबर, 0 ग्राम शुगर, 0 मिलीग्राम कोलेस्ट्रॉल, 6 मिलीग्राम सोडियम। करेले में कई महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। असल में, आधा कप ताजा करेला आपके रोजाना के लिए जरूरी विटामिन सी की मात्रा का लगभग 43: हिस्सा पूरा करता है। यह जितना कच्चा होता है, उसमें विटामिन सी की मात्रा उतनी ही ज्यादा होती है। कच्चे करेले में विटामिन ए विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, थायमिन (बी1), राइबोफ्लेविन (बी2), नियासिन (बी3), फोलेट (बी9), पोटैशियम, जिंक, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम पाया जाता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए है फायदेमंद

करेले में सैपोनिन और टरपेनोइड्स नामक बायोएक्टिव कंपाउंड होते हैं। ये कंपाउंड इस सब्जी के कड़वे स्वाद के लिए जिम्मेदार होते हैं, लेकिन डायबिटीज वाले लोगों में ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में भी भूमिका निभा सकते हैं। करेले में मौजूद सैपोनिन और टरपेनोइड्स ग्लूकोज को खून से कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद कर सकते हैं, साथ ही आपके लिवर और मांसपेशियों को ग्लूकोज को बेहतर ढंग से प्रोसेस करने और स्टोर करने में भी मदद कर सकते हैं।

करेले के और भी हैं कई फायदे

उच्च फाइबर और कम कैलोरी के कारण, यह वजन घटाने और पाचन शक्ति बढ़ाने में भी बहुत प्रभावी है। यह रक्त में टॉक्सिन्स को साफ करता है, जिससे त्वचा साफ और कील–मुंहासे मुक्त रहती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी शरीर को संक्रमण से बचाते हैं और लिवर की कार्यक्षमता बढ़ाते हैं। करेले में बीटा–कैरोटीन और विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है, जो दृष्टि में सुधार करता है।

करेला कैसे तैयार करें

आप करेले को भाप में पका सकते हैं, उबाल सकते हैं, स्टिर–फ्राई कर सकते हैं, धीमी आंच पर पका सकते हैं, अचार बना सकते हैं, भरवां बना सकते हैं, या करी बना सकते हैं। इस तरह आप कई तरह के पौष्टिक और स्वादिष्ट व्यंजन तैयार कर सकते हैं।

संक्षिप्त

आर्थिक मोर्चे पर दुनिया का अगुआ बन सकता है भारत दिल्ली में जुटे दिग्गज

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारत की नेतृत्व क्षमता और आर्थिक क्षेत्र में अवसरों पर मंथन हुआ। शहीद सुखदेव कॉलेज से पढ़ाई कर चुके पूर्व छात्रों (अल्युमनाई) के संघ–स्कोब्सा ने एक कॉन्क्लेव के दौरान श्भारत मीन्स बिजनेस विषय पर भारत के आर्थिक नेतृत्व के लेकर विस्तार से चर्चा की। स्कोब्सा कॉन्क्लेव 2026 में पूर्व छात्र, नीति निर्माता, और औद्योगिक क्षेत्र के दिग्गजों ने तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था में क्षेत्रीय व्यवधानों पर बात की। सम्मेलन में आधुनिक पेशेवर जीवन के विशेष पहलुओं पर भी भी चर्चा हुई। कॉन्क्लेव के दौरान भारत की नवाचार क्षमता और उपभोक्ता बाजार के रूप में देश की ताकत के बारे में भी विस्तार से बातें हुईं। तकनीक के दौर में डिजिटल होती जा रही दुनिया और भारत के पास बुनियादी ढांचे की विशाल क्षमता के बारे में भी बताया गया। दैनिक जीवन में वेलनेस को समाहित करने की अहमियत पर द चौप्टर, इस्प्रवा रियल्टी की दर्शिनी थानावाला ने अपनी राय साझा की। व्यावहारिक अंतर्दृष्टि जैसे अहम विषय पर चर्चा में कैप्टन प्रवीण दहिया और इनक्वेस्ट टीम ने अपने विचार रखे। एसएससीबीएस की प्रिंसिपल प्रोफेसर पूनम वर्मा ने संस्थागत संबोधन दिया। कार्यक्रम 18 अप्रैल, 2026 को दिल्ली के कापसहेड़ा में वेलकमहोटल बाय आईटीसी में संपन्न हुआ। कॉन्क्लेव में मौजूद हस्तियों ने भारत के विनिर्माण यानी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के साथ–साथ स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्र को भी वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण बताया। उद्योग जगत की एक प्रमुख हस्ती– असीम कौशिक ने कहा कि शहीद सुखदेव कॉलेज के पूर्व छात्रों की भूमिका भी सराहनीय है। ऐसी चर्चाओं के लिए स्कोब्सा नेटवर्क अहम ताकत है। तेजी से बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य के कारण सामने आ रही वित्तीय अनिश्चितताओं पर भी विस्तार से बातें हुईं।

अब न्यूक्लियर एनर्जी में अडानी ग्रुप की एंट्री, बनाई नई कंपनी, रॉकेट बना पावर शेयर

नई दिल्ली,एजेंसी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर के शेयरों में सोमवार को जबरदस्त तेजी आई है। अडानी पावर के शेयर ठैम में इंट्राडे के दौरान 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 207.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों ने सोमवार को 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। अडानी पावर ने घोषणा की है कि अडानी एटॉमिक एनर्जी ने अपने पूर्ण मालिकाना हक वाली सहायक इकाई कोस्टल–महा एटॉमिक एनर्जी बनाई है, इसका मकसद न्यूक्लियर एनर्जी से जुड़ी अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाना है। अडानी पावर ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसके पूर्ण मालिकाना हक वाली सहायक इकाई अडानी एटॉमिक एनर्जी ने 13 अप्रैल को नई इकाई कोस्टल–महा एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड बनाई है और इसे 18 अप्रैल को सर्टिफिकेट ऑफ इनकॉरपोरेशन मिल गया है। यह कंपनी न्यूक्लियर या एटॉमिक एनर्जी से मिलने वाले पावर के जेनरेशन, ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़ी है। कोस्टल–महा एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड (ब्ड।म्स्) को 5 लाख रुपये की अर्थोराइज्ड कैपिटल के साथ शुरू किया गया है, जिसे 10 रुपये वैल्यू वाले 50,000 इक्विटी शेयरों में डिवाइड किया गया है। इससे पहले, फरवरी में अडानी पावर ने अडानी एटॉमिक एनर्जी शुरू करने की घोषणा की थी। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर (।कंदप च्वूमत) के शेयर अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर से 100 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। अडानी पावर के शेयर 9 मई 2025 को अपने 52 हफ्ते के निचले स्तर 101.06 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर इस लेवल से 100 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। अडानी पावर के शेयर 20 अप्रैल 2026 को 207.40 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 दिन में अडानी पावर के शेयरों में 17 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है। वहीं, पिछले एक महीने में अडानी ग्रुप की पावर कंपनी के शेयरों में 35 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी पावर के शेयर पिछले 5 साल में 1050 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। अडानी पावर के शेयर 23 अप्रैल 2021 को 17.56 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 20 अप्रैल 2026 को 207.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 साल में अडानी पावर के शेयरों में 290 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। अगर पिछले 3 साल की बात करें तो कंपनी के शेयर 410 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं। दो साल में कंपनी के शेयरों में 70 पर्सेंट से ज्यादा तेजी आई है।

क्या शेयर मार्केट के लौट रहे अच्छे दिन? विदेशी निवेशक लगातार 3 दिनों से बने खरीदार

नई दिल्ली,एजेंसी। क्या घरेलू शेयर मार्केट के अच्छे दिन लौट रहे हैं? यह सवाल इसलिए कि पिछले 3 सत्रों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने कैश मार्केट में लगातार तीन दिनों तक शुद्ध खरीदारी की है। 17 अप्रैल को 683.20 करोड़ रुपये की खरीदारी की तो 16 अप्रैल को 382.36 करोड़ रुपये की। जबकि, 15 अप्रैल को विदेशी निवेशकों ने 666.15 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इससे पहले 25 फरवरी को उन्होंने 2,991.64 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। लंबे समय तक लगातार बिकवाली के बाद यह तीन दिनों की खरीदारी उम्मीद जगा रही है कि शायद अब रुख बदले। सिर्फ तीन दिनों के आंकड़ों से बहुत उत्साहित होना ठीक नहीं है। क्योंकि, 2026 में अब तक विदेशी निवेशक लगातार बेचते ही रहे हैं।

बीसीसीआई बना रहा 30–35 खिलाड़ियों का बड़ा पूल, क्या श्रेयस भी संभालेंगे कप्तानी?

मुंबई,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) अब टी20 क्रिकेट के लिए नई रणनीति पर काम कर रहा है। बढ़ते इंटरनेशनल शेड्यूल और खिलाड़ियों की भरमार को देखते हुए बोर्ड 30–35 खिलाड़ियों का एक बड़ा पूल तैयार करने की योजना बना रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर एक साथ दो टी20 टीम उतारी जा सके। अगर दो टी20 टीम बनती है तो श्रेयस अय्यर भी कमान संभालने की दौड़ में आ सकते हैं। इस फैसले के पीछे सबसे बड़ी वजह आने वाले समय में शेड्यूल का टकराव है। एशियन गेम्स और भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर होने की संभावना है। ऐसे में चयनकर्ताओं को दो अलग–अलग टीमें मैदान में उतारने पर विचार करना पड़ रहा है। एक बीसीसीआई अधिकारी ने एनडीटीवी से कहा, श्एशियन गेम्स और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज एक ही समय पर होने वाली हैं। इसलिए हमें दो टी20 टीमों के बारे में सोचना होगा। अब यह जरूरी हो गया है कि हमारे पास 30–35 खिलाड़ियों का ऐसा पूल हो, जिन्हें किसी भी समय इंटरनेशनल मैच के लिए चुना जा सके। आईपीएल ने भारत को लगातार तैयार खिलाड़ी दिए हैं, जिससे टीम के पास प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। इसी को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई अब एक मजबूत बैकअप सिस्टम

बनाना चाहता है। 2028 ओलंपिक में क्रिकेट की एंट्री और मल्टी–स्पोर्ट इवेंट्स में भागीदारी को देखते हुए यह रणनीति और भी अहम हो जाती है। आने वाला आयरलैंड इस योजना के लिए एक टेस्ट प्लेटफॉर्म की तरह काम करेगा। इस दौरे पर बड़े स्क्वॉड के साथ युवा और नए खिलाड़ियों को मौका दिया जाएगा, ताकि भविष्य के लिए मजबूत टीम तैयार की जा सके। ऐसे में बीसीसीआई सूर्यकुमार की जगह श्रेयस अय्यर को टी20 टीम की कप्तानी सौंप सकता है। श्रेयस ने आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स की कप्तानी शानदार ढंग से की है। वहीं, सूर्यकुमार हाल फिलहाल में खराब फॉर्म से गुजर रहे हैं। ऐसे में बीसीसीआई का ध्यान इस पर भी होगा। श्रेयस टी20 में नंबर तीन या चार पर बल्लेबाजी कर सकते हैं। चयनकर्ता आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर नजर बनाए हुए हैं। युवा बल्लेबाजों में यशस्वी जायसवाल, प्रियांश आर्य, वैभव सूर्यवंशी और अंगकृष रघुवंशी ने प्रभावित किया है। इसके अलावा रजत पाटीदार और आयुष बदोनी भी रेस में बने हुए हैं। ऑलराउंडर्स में शशांक सिंह और अनुकूल रॉय संतुलन प्रदान कर सकते हैं, जबकि गेंदबाजी में रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, कार्तिक त्यागी और खलील अहमद विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। विकेटकीपिंग में ध्रुव जुरेल मजबूत दावेदार हैं।

प्रेमानंद महाराज के आश्रम में लिया आशीर्वाद, आध्यात्मिक बातचीत में लिया हिस्सा

वृंदावन,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली, पत्नी और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा के साथ सोमवार को वृंदावन पहुंचे। इस दौरान दोनों ने प्रेमानंद जी महाराज के श्रीहित राधा केली कुंज आश्रम में दर्शन किए और आध्यात्मिक मार्गदर्शन प्राप्त किया। दोनों ने आश्रम में एकांतिक वार्तालाप (निजी आध्यात्मिक बातचीत) भी की, जो उनके बढ़ते आध्यात्मिक झुकाव को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में विराट और अनुष्का का रुझान आध्यात्म की ओर लगातार बढ़ा है। आश्रम द्वारा जारी वीडियो में दोनों भक्तों की भीड़ के बीच शांत भाव से बैठे नजर आए और महाराज जी के प्रवचन को ध्यानपूर्वक सुनते दिखे। इससे पहले भी एक बातचीत के दौरान प्रेमानंद महाराज ने जीवन के उद्देश्य और गुरु के मार्गदर्शन में भक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला था।

यह विराट और अनुष्का का पिछले पांच महीनों में तीसरा दौरा है। इससे पहले फरवरी में बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे। साल 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम पहुंचा था, जनवरी में बच्चों के साथ, मई में और फिर दिसंबर में। इससे साफ है कि यह स्थान उनके लिए बेहद खास बन चुका है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे विराट कोहली ने इस दौरे के लिए अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकाला। हाल ही में आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने 13 गेंदों में 19 रन बनाए थे। अगला मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने से पहले मिले पांच दिन के ब्रेक का उन्होंने आध्यात्मिक यात्रा के लिए उपयोग किया। विराट और अनुष्का इससे पहले महाकालेश्वर मंदिर और नीम करोली बाबा आश्रम जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन भी कर चुके हैं। उनकी यह यात्राएं दर्शाती हैं कि दोनों अपने जीवन में आध्यात्मिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में आरसीबी फिलहाल शानदार प्रदर्शन कर रही है। टीम छह मैचों में चार जीत और दो हार के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर है। ऐसे में आगामी मुकाबलों से पहले यह ब्रेक टीम और विराट के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

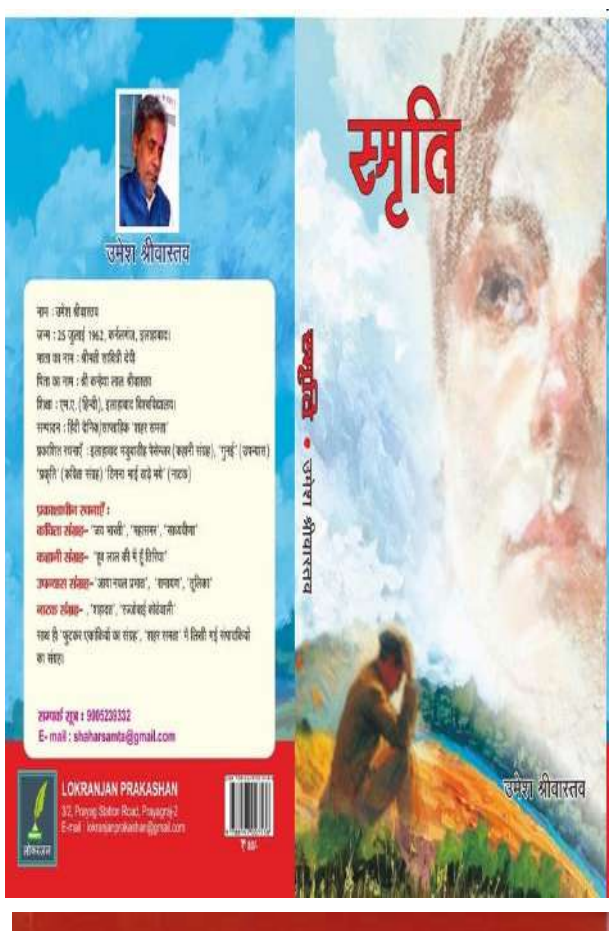

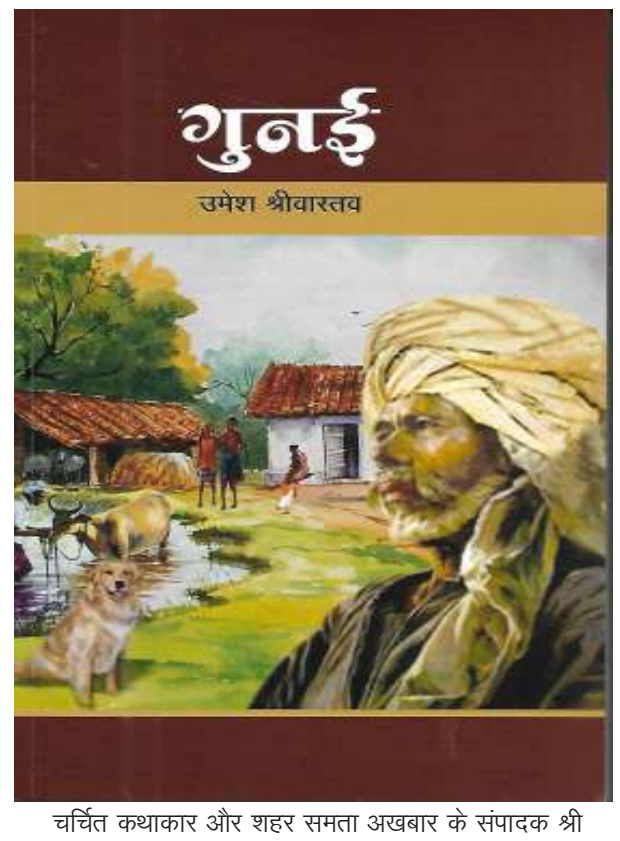

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

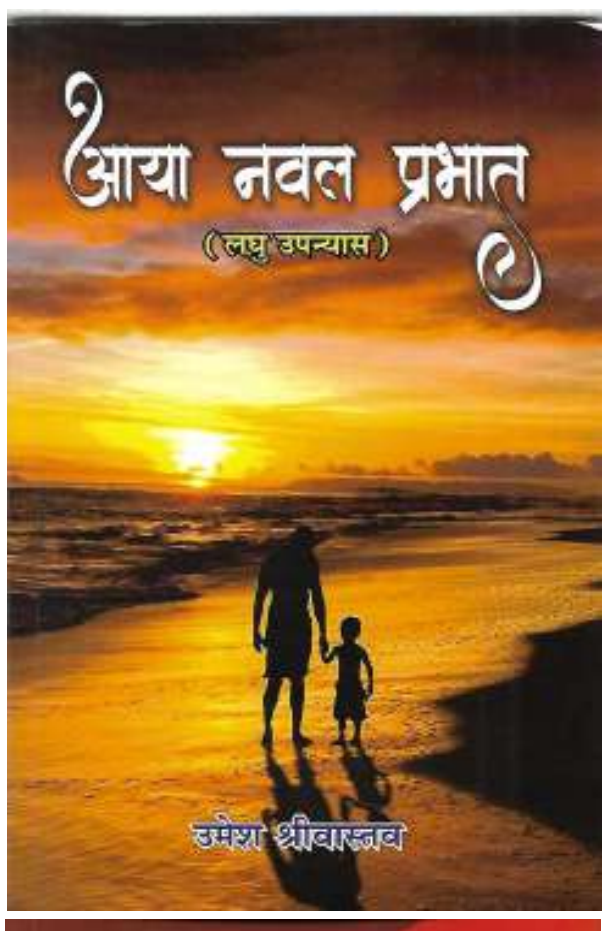

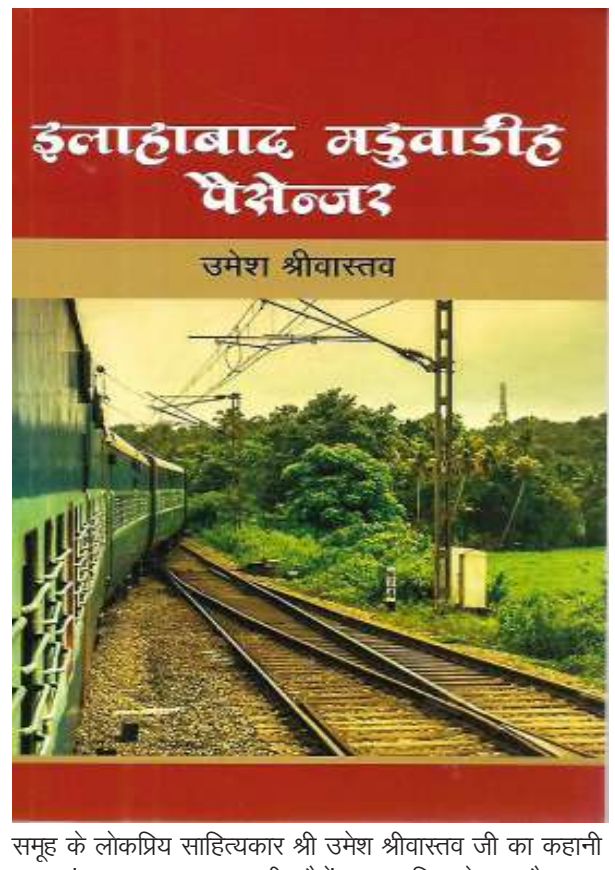

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

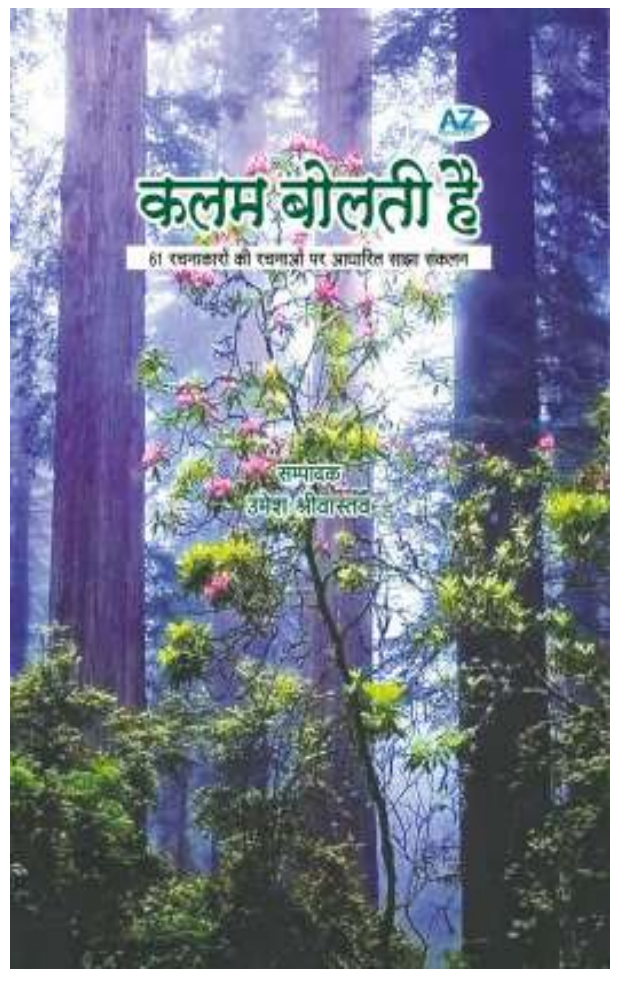

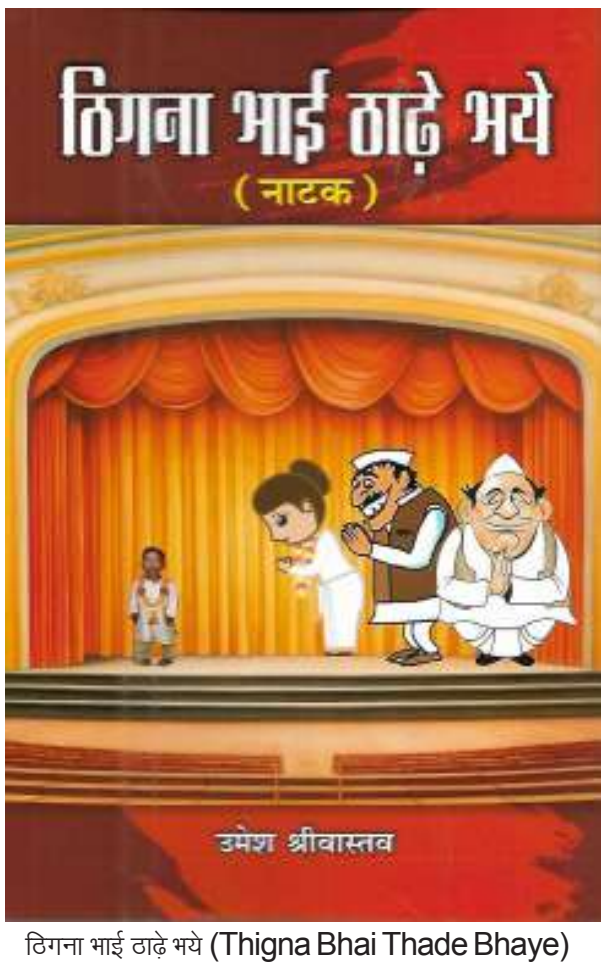

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

US से जंग के बीच ईरान में बड़ा बदलाव: सरकार के बदले IRGC कर रही फैसले, खबर में दावा- कमांडर वाहिद को मिली कमान

तेहरान, एजेंसी। ईरान को लेकर आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब वहां की सेना और विदेश नीति पर कट्टरपंथी संगठन इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का पूरा नियंत्रण हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईआरजीसी के कमांडर अहमद वाहिदी और उनके सहयोगी अब देश के फैसले ले रहे हैं, जबकि पहले जो नेता बातचीत और शांति की कोशिश कर रहे थे, उन्हें किनारे कर दिया गया है। अराघची के फैसले को प्ळ८ ने मानने से किया इनकार इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची अमेरिका के साथ बातचीत कर हालात सामान्य करना चाहते थे। यहां तक कि उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने पर भी सहमति जताई थी, जो दुनिया के लिए बेहद अहम तेल मार्ग है। लेकिन आईआरजीसी ने इस फैसले को मानने से इनकार कर दिया और साफ कर दिया कि यह रास्ता बंद ही रहेगा। होर्मुज में जहाजों पर की गई फायरिंग, बढ़ा तनाव स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई जब ईरान ने इस जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे कई जहाजों को निशाना बनाया। इससे फारस की खाड़ी में सैकड़ों जहाज फंस गए और वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ गई। यह कदम आईआरजीसी की ताकत और उसके सख्त रुख को दिखाता है। अहमद वहीदी को प्रभावशाली नेताओं का समर्थन रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि आईआरजीसी के भीतर अहमद वहीदी को मोहम्मद बगेर जोलगाद्र जैसे प्रभावशाली नेताओं का समर्थन मिल गया है, जिससे उनकी पकड़ और मजबूत हो गई है। इन नेताओं का असर अब सिर्फ सेना तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सीधे कूटनीतिक फैसलों में भी दखल दे रहे हैं। अराघची पर ज्यादा नरम रुख अपनाने का आरोप इसके अलावा, ईरान की बातचीत टीम के अंदर भी मतभेद सामने आए हैं। बताया गया है कि कुछ नेताओं ने आरोप लगाया कि विदेश मंत्री ने अपनी सीमा से ज्यादा जाकर नरम रुख अपनाया, जिसके बाद पूरी टीम को वापस तेहरान बुला लिया गया। इससे साफ है कि अब देश के अंदर सख्ती बढ़ रही है और अलग राय रखने वालों के लिए जगह कम होती जा रही है। शांति वार्ता पर पड़ेगा नेतृत्व परिवर्तन का असर? इस पूरे घटनाक्रम का असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अब अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावनाएं काफी कमजोर हो गई हैं, क्योंकि जिन नेताओं के पास बातचीत की जिम्मेदारी है, उनके पास अब फैसला लेने की ताकत ही नहीं बची है। फिलहाल, हालात काफी नाजुक बने हुए हैं। संघर्षविराम कब तक चलेगा, इस पर भी अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि क्या दोनों देशों के बीच तनाव कम होगा या हालात और बिगड़ेंगे।

संक्षिप्त

जापान में 7.4 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी, सावधानी बरतने की सलाह

एजेंसी / जापान में सोमवार को भीषम भूकंप के झटकों ने लोगों में दहशत फैला दी। राष्ट्रीय प्रसारक एनएचके के अनुसार, उत्तरी जापान में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके

बाद तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई। प्रशासन ने खासतौर पर इवाते प्रीफेक्चर और होक्काइडो के तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित जगहों या ऊंचे इलाकों में जाने को कहा है। अधिकारियों के मुताबिक, समुद्र में 3 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जो तट पर पहुंचकर नुकसान कर सकती हैं। जापान सरकार ने चेतावनी दी है कि सुनामी की लहरें एक बार नहीं, बल्कि कई बार आ सकती हैं। इसलिए लोगों को तब तक सुरक्षित स्थानों पर ही रहना चाहिए जब तक सभी चेतावनियां खत्म नहीं हो जातीं। साथ ही यह भी कहा गया है कि लहरें तय समय से पहले या बाद में आ सकती हैं और उनकी ऊंचाई अनुमान से ज्यादा हो सकती है। प्रभावित इलाकों में लोगों को समुद्र किनारे और नदियों के मुहानों से दूर रहने की सलाह दी गई है, क्योंकि वहां पानी तेजी से भर सकता है। बचाव और आपातकालीन सेवाएं अलर्ट पर हैं और नुकसान का आकलन किया जा रहा है। बता दें कि जापान दुनिया के सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित देशों में से एक है। यह प्रशांत अग्नि वलय क्षेत्र में स्थित है, जहां चार बड़ी टेक्टोनिक प्लेट्स मिलती हैं। यहां हर साल करीब 1500 भूकंप आते हैं, जो दुनिया के कुल भूकंपों का लगभग 18 प्रतिशत हैं। जापान में हर साल करीब 1500 बार आते हैं भूंकप के झटके गौरतलब है कि जापान में भूंकप को नई बात नहीं है। यहां हर साल करीब 1500 भूकंप आते हैं, जो दुनिया के कुल भूकंपों का लगभग 18 प्रतिशत हैं। हालांकि ज्यादातर भूकंप हल्के होते हैं, लेकिन कई बार बड़े भूकंप भारी तबाही भी ला सकते हैं। साल 2011 में आए भीषण भूकंप और सुनामी ने जापान में भारी नुकसान किया था। इस त्रासदी को 2011 तोहोकू भूकंप और सुनामी के नाम से जाना जाता है, जिसमें करीब 18,500 लोगों की मौत या लापता होने की खबर थी और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में गंभीर परमाणु हादसा हुआ था। फिलहाल सरकार हालात पर नजर बनाए हुए है और लोगों से सावधानी बरतने की अपील कर रही है।

होर्मुज की सुरक्षा पर भारत-दक्षिण कोरिया साथ, राष्ट्रपति ली ने सप्लाई चेन सहयोग बढ़ाने पर दिया जोर

एजेंसी / दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा है कि दक्षिण कोरिया और भारत को होर्मुज जलडमरूमध्य में

सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक सप्लाई चेन को स्थिर बनाने और ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच साझेदारी बेहद अहम है। पीएम मोदी के साथ होगी तीसरी बार मुलाकात राष्ट्रपति ली ने एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ प्रस्तावित शिखर वार्ता से पहले की। यह बैठक उनके राष्ट्रपति पद संभालने के बाद मोदी के साथ तीसरी आमने-सामने की मुलाकात मानी जा रही है। होर्मुज में आई बाधा का असर पूरे विश्व पर पड़ा उन्होंने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर असर पड़ा है।

इसके चलते वैश्विक तेल कीमतों में तेजी आई है और औद्योगिक उत्पादन के लिए जरूरी कच्चे माल की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। भारत और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर राष्ट्रपति ली ने कहा कि दक्षिण कोरिया और भारत दोनों अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया से आने वाले कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर काफी हद तक निर्भर हैं। ऐसे में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा हमारे नागरिकों की सुरक्षा और हमारे देशों के अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दक्षिण कोरिया भारत के साथ लगातार संवाद बनाए रखेगा ताकि सभी जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित और स्वतंत्र रूप से गुजर सकें। साथ ही दोनों देश अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी इस साझा प्रतिबद्धता को मजबूत करेंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक / शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक / साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
.919450482227

उत्तर कोरिया ने क्लस्टर बमों का किया परीक्षण, किम जोंग-उन की बेटी भी रहीं मौजूद

एजेंसी / उत्तर कोरिया ने बैलिस्टिक मिसाइलों के अपने नवीनतम प्रक्षेपण में क्लस्टर बमों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण नेता किम जोंग–उन की देखरेख में हुई है।दक्षिण कोरिया की सेना ने उत्तर कोरिया के सिनफो क्षेत्र से सुबह लगभग 6रू10 बजे पूर्वी सागर की ओर दागी। कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाने के एक दिन बाद, कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने ह्वासोंग–11 रा सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल के प्रक्षेपण की रिपोर्ट प्रकाशित की। एक द्वीप के पास हुआ परीक्षण

केसीएनए ने कहा कि परीक्षण प्रक्षेपण का उद्देश्य हथियार प्रणाली में लगे क्लस्टर बम वारहेड और विखंडन माइन वारहेड की शक्ति का मूल्यांकन करना था। केसीएनए की रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 136 किलोमीटर दूर स्थित लगभग 13 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले एक द्वीप के पास एक लक्ष्य क्षेत्र पर पांच मिसाइलों ने हमला किया। यह अत्यधिक घनत्व वाला क्षेत्र था, जिससे उनकी युद्ध क्षमता पूरी तरह से प्रदर्शित हुई। बेटी भी रही मौजूद इसके साथ ही जारी की गई तस्वीरों में किम की बेटी जू–ए भी नजर आई, जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें उनके उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है। किम ने परीक्षण प्रक्षेपण पर अत्यंत संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक विशिष्ट लक्ष्य क्षेत्र को नष्ट करने के लिए उच्च घनत्व वाली मारक क्षमता के साथ–साथ उच्च परिशुद्धता वाली मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण

है।रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विभिन्न क्लस्टर बम वारहेड का विकास और परिचय कोरियाई पीपुल्स आर्मी की परिचालन मांग को अधिक संतोषजनक और प्रभावी तरीके से पूरा कर सकता है। नेता ने हथियार विकास के लिए जिम्मेदार विज्ञान अनुसंधान समूहों को भी प्रोत्साहित किया और कहा कि वे हमारी सेना की युद्ध तत्परता के लिए आवश्यक विभिन्न अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को प्राप्त करने और अद्यतन करने के अपने महत्वपूर्ण प्रयासों को जारी रखेंगे। किम के साथ परीक्षण प्रक्षेपण में केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्य किम जोंग–सिक, मिसाइल प्रशासन के प्रमुख जांग चांग–हा और सैन्य इकाई के कमांडर भी उपस्थित थे। संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा रविवार को किया गया यह प्रक्षेपण 8 अप्रैल को उत्तर कोरिया द्वारा कई अल्प दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के परीक्षण के बाद हुआ। उस समय राज्य मीडिया ने कहा था कि देश ने क्लस्टर बम वारहेड से युक्त एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था। इसके साथ ही दावा किया था कि यह उच्चतम घनत्व शक्ति के साथ लक्षित क्षेत्रों को राख में बदल सकती है। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा कार्यालय ने उत्तर कोरिया द्वारा किए गए नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण की निंदा करते हुए इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का उल्लंघन बताया है और उत्तर कोरिया की मिसाइल संबंधी उकसावों को तत्काल रोकने का आह्वान किया है। इस्राइली हवाई रक्षा प्रणाली के लिए एक चुनौती क्लस्टर बम दर्जनों से लेकर सैकड़ों छोटे बम छोड़ता है, जिससे यह एक विस्तृत क्षेत्र में कई लक्ष्यों को निशाना बना सकता है। इस हथियार का इस्तेमाल ईरान द्वारा मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष में किया गया है, जिससे यह इस्राइली हवाई रक्षा प्रणाली के लिए एक चुनौती बन गया है। उत्तर कोरिया की रिपोर्ट से पता चलता है ।

कि रविवार के परीक्षण में मिसाइल वॉरहेड में लगे क्लस्टर बम और हवाई विखंडन खदानों का प्रक्षेपण शामिल था। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, केसीएनए ने एक समुद्री दीवार के किनारे से मिसाइल दागे जाने और एक छोटे द्वीप पर क्लस्टर बम गिराए जाने की तस्वीरें भी जारी कीं, जो देश द्वारा क्लस्टर बम परीक्षण की तस्वीरें सार्वजनिक करने का पहला मामला है। यह ह्वासोंग–11 रा बैलिस्टिक मिसाइल के बारे में उत्तर कोरिया का पहला आधिकारिक उल्लेख भी है, जिसे उसने पहले एक नई सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल या सामरिक निर्देशित मिसाइल के रूप में संदर्भित किया था। ओसान एयर बेस तक पहुंच सकती कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के वरिष्ठ शोधकर्ता हांग मिन ने कहा कि रविवार के प्रक्षेपण में प्रदर्शित 136 किलोमीटर की रेंज दक्षिण की ओर दागे जाने पर सियोल और प्योंगटेक में अमेरिकी सैन्य अड्डे और ओसान एयर बेस तक पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि यह मिसाइल उत्तर कोरिया के मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और शॉर्ट–रेंज मिसाइलों के बीच की दूरी को भर देती है, जिससे वह सियोल महानगर क्षेत्र को निशाना बना सकता है। दक्षिण कोरियाई एकीकरण मंत्रालय के प्रवक्ता यून मिन–हो ने आकलन किया कि यह परीक्षण प्रक्षेपण सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया के हाल ही में आयोजित नौवें कांग्रेस में अपनाई गई रक्षा विकास योजना को आगे बढ़ाने के उत्तर कोरिया के प्रयासों का हिस्सा प्रतीत होता है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के दौरान किम ने दक्षिण कोरिया का मुकाबला करने के लिए मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और सामरिक मिसाइलों की तैनाती को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उन्होंने परीक्षण में अग्रिम पंक्ति की इकाइयों के प्रभारी कई सैन्य कमांडरों की दुर्लभ उपस्थिति पर ध्यान दिया।

ट्रंप के टैरिफ वार से परेशान कनाडा, दुनिया में नए व्यापारिक रास्ते की कर रहा तलाश

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नई रणनीति पर जोर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि अब सिर्फ अमेरिका पर निर्भर रहना कनाडा की ताकत नहीं, बल्कि कमजोरी बन गया है, और इससे बाहर निकलने के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ाना जरूरी है। अमेरिका ने अपने व्यापारिक रवैये में किया बदलाव ओटावा से जारी एक वीडियो संदेश में कार्नी ने बताया कि अमेरिका ने अपने व्यापारिक रवैये में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में टैरिफ (आयात शुल्क) को इतना बढ़ा दिया गया है, जैसा कि पहले केवल महामंदी के समय देखा गया था। इन भारी शुल्कों का सीधा असर कनाडा के ऑटोमोबाइल, स्टील और लकड़ी (लंबर) उद्योग पर पड़ा है। अमेरिका ने कनाडा के कई उत्पादों पर लगाए हैं टैरिफ रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 की शुरुआत से ही अमेरिका ने कनाडा से आने वाले कई उत्पादों पर कड़े टैरिफ लगाए हुए हैं। कुछ सामानों पर 25: तक और स्टील व एल्युमिनियम पर 50: तक टैक्स लगाया गया है। इससे दोनों देशों के बीच सप्लाई चेन बुरी तरह प्रभावित हुई है और कनाडा पर नए व्यापारिक विकल्प तलाशने का दबाव बढ़ गया है। कार्नी ने बताया कि उनकी सरकार पिछले एक साल में चार महाद्वीपों में 20 नए व्यापार समझौते कर चुकी है। अब सरकार का फोकस विदेशी निवेश बढ़ाने, देश के अंदर राज्यों के बीच व्यापार नियम आसान बनाने और स्वच्छ ऊर्जा (क्लीन एनर्जी) क्षमता को दोगुना करने पर है,

ताकि बाहरी झटकों का असर कम हो सके। मार्क कार्नी ने माना– अमेरिकी टैरिफ का पड़ा असर उन्होंने कहा,श उम्मीद कोई योजना नहीं होती और पुरानी यादों के सहारे रणनीति नहीं बनाई जा सकती।श यानी कनाडा अब पुराने अमेरिका–केंद्रित मॉडल पर वापस लौटने का इंतजार नहीं करेगा, बल्कि नई दिशा में आगे बढ़ेगा। कार्नी ने यह भी माना कि अमेरिकी टैरिफ का असर वहां के ऑटो और स्टील सेक्टर के कामगारों पर पड़ा है। अनिश्चित माहौल के कारण कंपनियां निवेश करने से बच रही हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है। ट्रंप के इस बयान से कनाडा में भारी नाराजगी वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान से भी कनाडा में नाराजगी है, जिसमें उन्होंने कनाडा को अमेरिका का श51वां राज्यश बनाने की बात कही थी। इस बयान ने दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री कार्नी ने भरोसा दिलाया कि सरकार समय–समय पर जनता को इस नई आर्थिक रणनीति की जानकारी देती रहेगी, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था में इतने बड़े बदलाव में समय लगेगा।

अमेरिका–ईरान जंग में 3375 से अधिक मौतें, हताहतों में सैकड़ों बच्चे, टकराव 52 दिनों से जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका–ईरान टकराव के बीच युद्ध की भयावह तस्वीर अब और साफ होती जा रही है। 52 दिनों से जारी इस संघर्ष में मौतों का आंकड़ा 3,300 के पार पहुंच चुका है, जिसने हालात की गंभीरता को उजागर कर दिया है। ईरान की

लीगल मेडिसिन ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख अब्बास मस्जिदी के अनुसार, अब तक 3,375 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। खास बात यह है कि इन हताहतों में सैकड़ों बच्चे भी शामिल हैं, जो इस युद्ध के मानवीय संकट को और गहरा बना रहे हैं। लगातार हो रहे हमलों के बीच बढ़ती मौतें क्षेत्र में तनाव और अनिश्चितता को और बढ़ा रही हैं। बच्चों की बड़ी संख्या शामिल

जारी आंकड़ों के अनुसार, मृतकों में 383 बच्चे शामिल हैं, जिनकी उम्र 18 साल या उससे कम थी। यह आंकड़ा युद्ध की गंभीरता को और बढ़ाता है। रिपोर्ट के मुताबिक, मृतकों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं। हालांकि, इन आंकड़ों में नागरिक और सुरक्षा बलों के बीच कोई स्पष्ट अंतर नहीं बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, मरने वालों में से केवल चार लोगों की पहचान अब तक नहीं हो सकी है।

लेबनान में यीशु प्रतिमा वाली तस्वीर पर बवाल, इस्राइली सेना ने जांच शुरू की, सोशल मीडिया पर मचा हंगामा

तेल अवीव, एजेंसी। लेबनान के दक्षिणी हिस्से में एक वायरल तस्वीर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले में इस्राइली सेना ने जांच शुरू कर दी है। तस्वीर में एक इस्राइली सैनिक को कथित तौर पर यीशु मसीह की क्रूस पर लगी प्रतिमा को नुकसान पहुंचाते हुए दिखाया गया है। यह तस्वीर लेबनान के देबेल गांव की बताई जा रही है। वायरल तस्वीर से बढ़ा विवाद

इस तस्वीर में क्रूस पर लगे यीशु की प्रतिमा को असामान्य स्थिति में दिखाया गया है। दावा किया जा रहा है कि एक सैनिक ने हथौड़े या कुल्हाड़ी जैसी चीज से प्रतिमा पर वार किया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। देबेल गांव के उप प्रमुख मारून नसीफ ने इस घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इसे धार्मिक भावनाओं पर हमला बताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

इस्राइली सेना ने शुरू की जांच इस्राइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि वे इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक का आचरण पूरी तरह से उन मूल्यों के विपरीत है जिनकी उनसे अपेक्षा की जाती है।

आईडीएफ के उत्तरी कमान ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। आईडीएफ ने कहा श्जांच के निष्कर्षों के अनुसार, इसमें शामिल लोगों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।श सेना ने यह भी कहा कि वे स्थानीय समुदाय की प्रतिमा को उसके मूल स्थान पर बहाल करने में सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।